

धनबाद : बाधमारा विधानसभा के माटीगड़ दुर्गा मंडप मैदान में पूर्व मंत्री ओपी लाल की अध्यक्षता में महागठबंधन की एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें महागठबंधन के प्रत्याशी जलेश्वर महतो के पक्ष में 16 दिसंबर को मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं से अपील की जाए। नौलीवड़ अभिनेता बिहारी बाबू रात्रुच सिन्हा कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव सह झारखंड कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक रणविजय सिंह, पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय राज्यसभा सांसद धीरज साहू, जेएमएम के अजमल भाई जो, आरजेडी के रोहित यादव कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता ओपी लाल भोला राम महागठबंधन के तमाम नेतृगण मुख्य रूप से मंच पर सभी उपस्थित थे।

संवाददाता

रांची : मतदान में टोकन सिस्टम को प्रभावी तरीके से लागू करने की दिशा में सभी जरूरी कदम उठाए जाएं और मतदान केंद्रों में मतदाताओं के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था हो, श्री विनय कुमार चौबे, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आज तीसरे चरण में 17 विधानसभा सीटों के लिए हो रहे वाले चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मतदान केंद्रों में वोटिंग कपाटमेंट को छोड़कर पूरी मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

संवाददाता

रांची : हज 2020 में जाने वाले हज यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के इरादे से केंद्रीय हज कमिटी ने हज के फॉर्म भरने की तारीख एक बार फिर से बढ़ा दी है। वर्ष 2020 में हज पर जाने वालों को फॉर्म भरने की आज आखिरी तारीख थी, जिसको हज कमिटी ईडिया ने बढ़ा कर 17 दिसंबर कर दिया है। झारखंड राज्य हज समिति के प्रवक्ता अधिवक्ता तनवीर अब्बास ने ये

रांची : झारखंड विधानसभा के नये भवन में आगजनी की घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू हो गया है। इस घटना में किसी शरातीर तत्वों या साजिश की आशंका के मद्देनजर रांची पुलिस फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) की टीम से भी सहयोग ले रही है। वहीं भवन निर्माण विभाग की ओर से यह भरोसा दिलाया गया है कि विधानसभा चुनाव 2019 संभ्राने के पहले और नये

विधानसभा गठन के पहले सभी निर्माण कार्यो के पूरा कर लिया जागा, साथ ही आगजनी की घटना से जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई भी पूरी कर ली जाएगी।

विधानसभा के नये भवन में आगजनी की घटना से विपक्ष के बैठने वाली जगह पर लगे करीब 700 कुर्सियां जलकर खाक हो गयी, इसके अलावा दर्जनों सोफे और टेबल भी जल गए हैं। इस अगलगली पर साजिश की आशंका को देखते हुए पुलिस ने गंभीरता से इसकी जांच शुरू कर दी है।



वरीय पुलिस अधीक्षक अनोश गुप्ता के निर्देश पर हटिया एसपी विनीत कुमार और मुख्यालय टू के डीएसपी हरिश्चंद्र सिंह ने जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस

लबोरेट्री (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया है।

सरकार की ओर से भी धरोसा दिलाया गया है कि झारखंड विधानसभा के नवनिर्मित भवन को हैड ओवर करने के पहले ही वहां भीषण अगजनीं मामले की जांच उच्च स्तरीय चार्ज कराई जाएगी। भवन निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार ने गुप्तार को रांची में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आगामी विधानसभा गठन के मद्देनजर निर्माण कार्य को लगभग पूरा

किया जा चुका था और अगले सप्ताह भी सरे करदार को हँड ओवर करवा दिया था। लेकिन इस बीच यह घटना हुई है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि नए विधानसभा भवन निर्माण को लेकर फायर स्फुरक सर्वेफिकेट भी प्राप्त किया जा चुका था, लेकिन किस स्तर पर हुई चूक हुई है, शार्ट सर्कट से घटना हुई है अथवा शररती घटना ने इसे अँजाम दिया है इस मामले की जांच चल रही है।

उन्होंने बताया कि रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक कल मौके पर पहुंचे थे फौरन विभाग को टीएम भी छहबीन में जुटी।
भवन निर्माण विभाग के सचिव ने बताया कि जो नुकसान हुआ है उसका आकलन किया जा रहा है।
अर्थ 15 दिसंबर के पहले सारे निर्माण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही इस घटना से जो नुकसान हुआ है उसको भी भरपाई कर ली जाएगी, तत्काल विधानसभा गठन के बाद यथावत सच का सुचारु संचालन शुरू हो सके।

संवाददाता

प्राद मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। जिन विधानसभा सीटों के लिए मतदान की समाप्ति का समय अपराह्न 3 और 5 बजे तक है, वहां उस समय तक मौजूद सभी मतदाता मतदान कर सकेंगे। इसके तहत वैसे मतदाताओं को पीठासीन पदाधिकारी अपने हस्ताक्षर के माध्यम से मतदान करने के लिए सूचित करेंगे।

20 सीटों में 16 एमटी व एक एससी के लिए हैं सुरक्षित : विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 20 सीटों के लिए 7 दिसंबर को मतदान होगा। इन सीटों में 16 अनुसूचित जनजाति और 1 अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं, जबकि सामान्य श्रेणी में 3 सीटें हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित सीटों में पाटशिला, पोतका, सरायकेला, खरसावा, चानोईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, तमाड़, मांडा, तोरपा, खुंदी, सिसई, सिसमंडा और कोलेबिबा शामिल हैं, जबकि अनुसूचित जाति के लिए जगसलाई सीट है।

शेष पेज 12 पर

शेष पेज 12 पर

बहरागोड़ा (एसटी), घाटशिला (एसटी), पोतका (एसटी), जुमलाई (एससी), जमशेदपुर (पूर्वी), जमशेदपुर (पश्चिमी), सरायकेला (एसटी), खरसावा (एसटी), चाँदबासा (एसटी), मझगाँव (एसटी), जगन्नाथपुर (एसटी), मनोहरपुर (एसटी), चक्रधरपुर (एसटी), तमाड़ (एसटी), माँडर (एसटी), तोरपा (एसटी), खुँटी (एसटी), सिमरप (एसटी), सिमडेगा (एसटी) और कोलेबिरा (एसटी) सीट के लिए 7 दिसंबर को मतदान होना है।

दूसरे चरण में इस चरण के चुनाव में कुल 260 प्रत्याशी हैं, जिसमें 231 पुरुष और 29 महिला प्रत्याशी हैं। इनमें भाजपा ने दो, आजसू पार्टी ने दो, झाम्पम ने चार, झामुमो ने एक महिला उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारा है। इस चरण भारतीय जनता पार्टी के 18 पुरुष व 2 महिला, बीएसपी के 14 पुरुष, सीपीआई के 2 पुरुष, सीपीआई एम के 1 पुरुष, इंडियन नेशनल कांग्रेस के 6 पुरुष, एनसीपी के 1 पुरुष व 1 महिला, एआईटीसी के 5 पुरुष व 1 महिला, आजसू पार्टी के 10 पुरुष व 2 महिला, जेबीएम के 16 पुरुष व 4 महिला, झामुमो के 13 पुरुष व 1 महिला प्रत्याशी हैं, इसके अलावा रजिस्टर्ड राजनीतिक दलों (रजिस्टर्ड राष्ट्रीय व स्टेट ऑल्टिक्लल पार्टी के अलावा) के 78 पुरुष और 13 महिलाएं तथा निंदलीय प्रत्याशियों में 67 पुरुष और 6 महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

दास, विधानमंत्री अध्यक्ष दिनेश राय, पूर्व मंत्री सह भाजपा के बागी नेता सरयू राय, मंत्री रामचंद्र सहिस, नीलकंठ सिंह मुंडा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कप्रीस बलमुचू, प्रेस आईएसएस जेजी तुविद, पूर्व मंत्री जेबो मांडी, चण्दे सौरन, देवकुमार धान, विधायक दीपक बिरुवा, मेनका सरदार, कुणाल षांडी, पैलुस सुरीन, विकास मुंडा, दशरथ गाराई, शशिभूषण समुडन, नमन विवसल कोगाडी, नीरल पुष्टि शामिल है।

मददान केंद्रों के लिए आज से ही पोलिंग पार्टियों को खाना करने का सिलसिला शुरू हो गया है। वायुसेना के चार हेलीकॉप्टर की मदद से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदान कमियों की हेली-ड्रॉपिंग करी गयी। इस दौरान किसी भी अग्रिय स्थिति से निपटने के लिए रॉन्डी में एयर एंबुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

सीएम समेत अन्य दिग्गजों की प्रतिष्ठे दांव पर दूसरे तरफ में जिन दिग्गजों की राजनीतिक प्रतिष्ठे दांव पर लगी है, उनमें मुख्यमंत्री राघव

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने बताया कि जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे, जबकि अन्य 18 नसतल प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात बजे से अपराह्न तीन बजे तक मतदान होगा। इस चरण में 47.21 लाख से अधिक मतदाता 260 प्रत्याशियों के राजनीतिक भाग्य का फैसला करेंगे।

सात दिसंबर को होने वाले मतदान को लेकर नक्सल प्रभावित और सुदूरवर्ती क्षेत्रों



• आ रही है कांग्रेस •

किसानों के 2 लाख रुपये तक के सभी कृषि ऋण माफ	धान के लिए 2500 रुपये प्रति क्विन्टल न्यूनतम समर्थन मूल्य
बुजुर्ग किसानों को मासिक पेंशन	किसानों को रियायती दरों पर 12 घंटे बिजली की आपूर्ति
कृषि उपकरण जीएसटी से मुक्त	फलों और सब्जियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य
किसान केन्द्रित फसल बीमा कार्यक्रम की शुरुआत	

किसान केन्द्र



कांग्रेस को वोट दें।

बनाएंगे बुलंद झारखण्ड

शेष पेज 12 पर

इको टूरिज्म पर करें फोकस,रांची को ग्रीन राजधानी बनाएं : मुख्य सचिव

रांची। मुख्य सचिव डॉ डी के तिवारी ने वन एवं पर्यावरण विभाग को राज्य में चल रहे इको टूरिज्म को बढ़ावा देनेवाली योजनाओं पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड के प्रचुर प्राकृतिक धरोहर को ईको टूरिज्म साइट के रूप में विकसित कर राज्य को देश का अग्रणी राज्य बना सकते हैं। वन विभाग को दलमा, चाँडिल और डिमना लेक का त्रिकोण बनाते हुए इको टूरिज्म का राष्ट्रीय स्तर का नेटवर्क बनाने का भी निर्देश दिया। मुख्य सचिव डा. डी के तिवारी झारखंड मंत्रालय में वन विभाग और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे। मुख्य सचिव ने वन विभाग को निर्देश दिया है कि राज्य की राजधानी की सभी सड़कों, सार्वजनिक भवनों के परिसर, स्कूलों, जलाशयों के किनारे और पहाड़ियों को योजनाबद्ध ढंग से पौधारोपण कर ग्रीन राजधानी



के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि यह जहां देखने में सुंदर लगेगा और वहीं पर्यावरण के दृष्टिकोण से इसके पुराने दिनों को एक बार फिर सकार किया जा सकेगा। उन्होंने अगले वर्ष के प्लान में राजधानी में पर्यावरण तथा ग्रीनरी के संवर्द्धन हेतु अलग से प्रवधान करने का भी निर्देश दिया।

ज्यादातर फलदार पौधे लगाएं

मुख्य सचिव ने विभाग को अपनी योजनाओं के तहत ज्यादातर फलदार

और 2005 से 2017 के बीच वन क्षेत्र में जलाशयों का क्षेत्रफल भी 64 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। वन क्षेत्र के विकास की यह रफ्तार पूरे देश में उच्चतम है। वहीं 92 नियमित नर्सरियों में प्रति वर्ष 92 लाख पौधे उगाए जा रहे हैं।

वन संपदा का सेटेलाइट मैपिंग कराएं

मुख्य सचिव ने वन संपदा की सेटेलाइट (जीआइसी) मैपिंग कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस मैपिंग से वन क्षेत्र के जलाशय सहित पेड़ों की भी वास्तविक स्थिति का आकलन संभव हो पाएगा। वन क्षेत्र में कहां जलाशय बनाए, इसका भी उचित स्थान चिह्नित किया जा सकेगा।

उपभोक्ता जागरूकता पर फोकस करें

मुख्य सचिव ने खाद्य, सार्वजनिक

वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की समीक्षा के दौरान उपभोक्ता जागरूकता पर बल देते हुए विभाग को उस पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बड़े हाट-बाजार में होर्डिंग लगाकर उपभोक्ताओं को उनके अधिकार की जानकारी दें। उस होर्डिंग में एक फोन नंबर भी दें, ताकि कोई भी उपभोक्ता असंतुष्ट होने पर इसकी ससमय सूचना विभाग तक पहुंचा सके। वहीं सही माप-तौल पर भी ध्यान देने को कहा।

बैठक में ये थे मौजूद

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव इंद्रु शेखर चतुर्वेदी, विकास आयुक्त सुखदेव सिंह, योजना सह वित्त के अपर मुख्य सचिव केके खंडेलवाल, सचिव अमिताभ कौशल, पीसीसीएफ संजय कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मांडर-तमाड़ के लिए चुनाव प्रचार समाप्त

रांची।आगामी विधानसभा चुनाव 2019 में दूसरे चरण के मतदान में रांची जिला के दो विधानसभा क्षेत्रों में मतदान खाले जायेंगे। चुनाव प्रचार-प्रसार की समय सीमा समाप्त होने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची राय महिमापत रे ने आज दोनों विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारियों और अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची और बुण्डू के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची लोकेश मिश्रा ने बताया कि चुनाव प्रचार प्रसार की समय सीमा समाप्त होते ही आज अपराह्न 03:00 बजे से दिनांक 07 दिसंबर को अपराह्न 08:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है। इस दौरान किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा प्रचार-प्रसार नहीं किया जायेगा। राजनीतिक दल से जुड़े लोग जो मांडर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, उन्हें क्षेत्र छोड़ना होगा। अनुमंडल पदाधिकारी बुण्डू श्री उत्कर्ष गुप्ता ने बताया कि अनुमंडल अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में शराब की बिक्री या सेवन पूर्ण रुपेण प्रतिबंधित करते हुए ड्राई डे

आजसू पार्टी प्रत्याशी ने अनोखे अंदाज में चलाया प्रचार अभियान
रांची। चुनाव प्रचार के दौरान अक्सर स्टार प्रचारकों को खेत-खलिहान में किसानों के साथ काम करते देखा जाता है। ऐसा ही दुश्च गुरुवार को झारखंड के दुमका जिले के जामा विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला, जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक सीता सोरेन के खिलाफ चुनाव मैदान में आजसू पार्टी प्रत्याशी के रूप में उतरी स्टेपी टेरेसा मुर्मू ने महिलाओं के साथ धनकटनी में शामिल होकर पर्यावरण से जुड़े रहने का दावा किया।

प्रेक्षकों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक का कार्य करेगा। प्रेक्षकों के रहने एवं भ्रमण सहित उनके लिए संबंधित कागजात समय पर उपलब्ध कराने का काम इस कोषांग के जिम्मे है। आचार संहिता कोषांग-यह कोषांग आदर्श आचार संहिता अनुपालन एवं अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। व्यव लेखा कोषांग-यह कोषांग चुनाव लड़नेवाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापण्ड के अनुरूप व्यय पंजी संधारण करने हेतु प्रशिक्षण देगा। समय-समय पर खर्च की जांच करेगा। स्वीप कोषांग- स्वीप कोषांग के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। मीडिया कोषांग- मीडिया कोषांग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग एण्ड सर्टिफिकेशन कमिटि का कार्य

आचार संहिता लागू रहने पर हर सप्ताह होती है स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक अति आवश्यक मामले पर आयोग के पास भेजा जाता है प्रस्ताव

रांची। राज्य स्तर पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वैसे कार्य जिन्हें निर्वाचन की प्रक्रिया के बीच भी कराया जाना अतिआवश्यक समझा जाता है, के मामलों में आदर्श आचार संहिता की दृष्टि समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित है। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि वे अपने प्रस्ताव सीधे निर्वाचन आयोग में ना भेजकर अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष रखें।

स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष और सदस्य

स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष मुख्य सचिव हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय निगरानी विभाग के सचिव तथा वे विभाग जिनके प्रस्ताव समिति के समक्ष रखे जाते हैं उनके सचिव, प्रधान सचिव,अपर मुख्य सचिव



इसके सदस्य होते हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक सप्ताह इसकी बैठक होती है।

आदर्श आचार संहिता के अनुदेशों के आलोक में होती है समीक्षा

ज्ञात हो कि यह स्क्रीनिंग समिति विभागों के प्रस्ताव पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए आदर्श आचार संहिता के अनुदेशकों के आलोक में समीक्षा करती है। अत्यंत आवश्यक होने पर और यह महसूस होने पर कि जन हित में कार्य निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान भी कराया जाना अति

आवश्यक है तभी, उस कार्य से संबंधित प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से निर्वाचन आयोग को भेजे जाते हैं।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर यह राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन

यह भी ज्ञात हो कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ही यह राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित है। निर्वाचन आयोग ने पिछले कई चुनावों में ऐसा महसूस किया था कि राज्य सरकार के विभागों के प्रस्ताव सीधे आयोग को भेजे जाने से पहले राज्य सरकार के स्तर पर इसकी समेकित समीक्षा होनी चाहिए। इसलिए राज्य स्तर पर एक मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक स्क्रीनिंग कमेटी गठित करने का निर्देश भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दिया गया। लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान भी यह समिति कार्यरत थी।

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि तिजोरी लूटनेवाले नेता आज लुभावने वायदे के साथ चुनाव मैदान में उतरे हैं। जेपी नड्डा गुरुवार को गिरिडीह जिले के जमुआ विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बहुत सी पार्टियों ने लुभावने नारे दिए हैं उनके आधे नेता जेल मे है और बाकी बेल में। जेपी नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले देश में क्या तस्वीर थी? क्या वातावरण था? कभी 176000 करोड़ का घोटाला,कभी पनडुब्बी घोटाला, कभी कोयले का घोटाला. यूपीए की सरकार ने ना जमीन छोड़ी ना आसमान. पर आज क्या स्थिति है? आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद धारा 370 नासूर बना हुआ था, उसे खत्म कर जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में शामिल कर दिया।उन्होंने कहा कि कश्मीर में भारत के कई कानून पहले लागू नहीं हो सकते थे।उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि का मामला लंबे



समय से लंबित था. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया. जब मजबूत सरकार होती है तो मजबूत निर्णय होते हैं। जब मजबूत नेता के साथ मजबूत इरादे के साथ देश चलता है तो दुनिया उसके पीछे चलती है। उन्होंने कहा कि मजबूत सरकार में मजबूत निर्णय होता है। उन्होंने कहा कि झारखंड को अटल जी ने बनाया और मोदी जी एवं रघुवर दास जी ने सवारने का काम किया है। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे विकास कार्यक्रमों का विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में जमुआ के प्रत्याशी केदार हाजरा, गिरिडीह के प्रत्याशी निर्भय कुमार शाहाबादी, धनबाद के प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह, व गांडेय के प्रत्याशी जय प्रकाश वर्मा को जिताने की अपील की। कोडरमा की सांसद अनूपप्रणी देवी भी इस मौके पर उपस्थित थी।

उप विकास आयुक्त ने विधानसभा चुनाव से जुड़ी दी विस्तृत जानकारी

रांची। विधानसभा चुनाव, 2019 के सफल संचालन को लेकर सभी कोषांगों का वरीय प्रभारी सह उप विकास आयुक्त श्री शैलेन्द्र कुमार लाल ने जानकारी दी कि चुनाव को लेकर विभिन्न 14 कोषांगो के द्वारा कार्य किया जा रहा है। इन सभी 14 कोषांगो के कार्यों के त्वरित निष्पादन हेतु वरीय पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी व कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, ताकि चुनाव संबंधित सभी कार्यों को आपसी समन्वय के साथ निष्पक्ष रूप से पूर्ण किया जा सके। साथ ही सुरक्षा, विधि व्यवस्था व मतदाताओं को दी जाने वाली सभी सुविधाओं को ससमय पूर्ण किया जा सके। 14 कोषांगों के नाम व कार्य..... ईवीएम/वीवीपैट कोषांग-सह-मतपत्र एवं पेपर सील कोषांग, विधि व्यवस्था कोषांग-सह-आचार संहिता-सह-टनसदमतंड्रपसपजल डंचचपदह

ब्ससस, अभ्यर्थियों का व्यय लेखा एवं जिला व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, डाक मतपत्र कोषांग, सामग्री-सह-मतदाता सूची विखण्डन कोषांग, मीडिया सह हेल्ललाईन कोषांग, परिवहन कोषांग, सूचना तकनीकी कोषांग, जिला निर्वाचन कोषांग, स्वीप कोषांग, चूँई कोषांग, कार्मिक-सह-कम्प्यूटर कोषांग है। ईवीएम/वीवीपैट कोषांग-सह-मतपत्र एवं पेपर सील कोषांग- इस कोषांग कार्य ईवीएम व वीवीपैट की तकनीकी जांच कर मशीनों को तैयार करना है। साथ ही ईवीएम एवं वीवीपैट का लेखा संधारण करना एवं ईवीएम वीवीपैट मशीनों को सील करना है। इसके अलावे मत पत्र एवं पेपर सील प्राप्त करना एवं टेंडर मतदान हेतु प्रति मतदान केन्द्र 20 मत पत्र मतदान दलों को उपलब्ध कराना है। इसके अलावे निर्देशानुसार ईवीएम एवं वीवीपैट

मशीनों को मतदान दलों को उपलब्ध कराना है। सामग्री कोषांग- यह कोषांग मतदान से चुनाव परिणाम की घोषणा तक मतदान सामग्रियों की आवश्यकता एवं उपलब्धता का आकलन करने एवं उसकी व्यवस्था तथा वितरण का काम करना है। प्रशिक्षण कोषांग- कर्मियों का प्रशिक्षण से लेकर उन्हें भेजने के दिन तक का कार्य करना है। वाहन कोषांग- यह कोषांग चुनाव के दौरान जरूरत के अनुसार वाहनों की आवश्यकता का उनके प्रकार का आकलन करना। निर्वाचन कोषांग-यह कोषांग निर्वाचन सूची, मतदान केंद्रों की सूची उपलब्ध कराने के साथ निर्वाचन का वह सभी काम करेगा जो राज्य निर्वाचन आयोग निर्देश देगा। प्रेक्षक कोषांग- यह कोषांग भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त

प्रेक्षकों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक का कार्य करेगा। प्रेक्षकों के रहने एवं भ्रमण सहित उनके लिए संबंधित कागजात समय पर उपलब्ध कराने का काम इस कोषांग के जिम्मे है। आचार संहिता कोषांग-यह कोषांग आदर्श आचार संहिता अनुपालन एवं अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। व्यव लेखा कोषांग-यह कोषांग चुनाव लड़नेवाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापण्ड के अनुरूप व्यय पंजी संधारण करने हेतु प्रशिक्षण देगा। समय-समय पर खर्च की जांच करेगा। स्वीप कोषांग- स्वीप कोषांग के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। मीडिया कोषांग- मीडिया कोषांग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग एण्ड सर्टिफिकेशन कमिटि का कार्य

किया जाता है। इसके अलावे टीवी, रेडियो, इंटरनेट व डिश कनेक्शन सहित अखबारों के कतरन का कार्य किया जाता है। कार्मिक कोषांग सह कम्प्यूटर कोषांग- इस कोषांग के माध्यम से पदाधिकारियों व कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति करना, नियुक्ति पत्र तैयार करना एवं तामिला कराना है। इसके अलावे प्रतिनियुक्त मतदान पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मानदेय उपलब्ध कराना है। साथ ही मतदान कर्मियों व अधिकारियों के कल्याण संबंधी विविध कार्य करना है। डाक मतपत्र कोषांग- चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों व कर्मचारियों को प्रपत्र-6/12/12 का एवं अन्य प्रपत्र उपलब्ध कराना है। इसके अलावे चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों का मतदान सुनिश्चित कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के प्राप्त निदेशों का पालन करते हुए आयोग

जिन उद्देश्यों के लिए अलग झारखंड का गठन हुआ,वह अब तक अधूरा-तारिक अनवर

रांची। कांग्रेस के स्टार प्रचारक और पूर्व सांसद तारिक अनवर ने कहा है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अलग झारखंड राज्य का गठन किया गया था, वह आज भी पूरा नहीं हो पाया है, यह चिंता का विषय है। रांची स्थित कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन में तारिक अनवर ने कहा कि प्राकृतिक संपदा अगर किसी राज्य में है तो वह झारखंड है और इन्हीं संसाधनों के चलते हमें उम्मीद थी कि झारखंड संपन्न होगा, यहां के लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। लेकिन दुखद है कि जो उम्मीद थी उसमें पानी फीर गया।

उन्होंनेक हा कि किसानों का आत्महत्या की खबर गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश से सुनते थे लेकिन अब झारखंड में भी काफी संख्या में आर्थिक तंगी की वजह से किसानों ने आत्महत्या किया। जिस राज्य में आज भी लोग भूख से मर रहे हैं उसे हम कैसे विकसित राज्य समझें? जमशेदपुर और रांची में कुपोषण के कारण हजारों बच्चों की जाने गई है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के रिपोर्ट के अनुसार झारखंड राज्य अपराध के मामले में भी सबसे आगे है। जिस डबल इंजन सरकार की दिंडीरा भाजपा कर रही है।

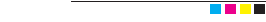
उसकी सत्यता यही है कि निवेश और विकास में नीति आयोग ने 17 राज्यों में झारखंड को 17वें स्थान पर रखा है। राज्य में हर पांचवां नौजवान बेरोजगार है। भ्रष्टाचार पर बात करने का प्रधानमंत्री और भाजपा का अन्य नेताओं का कोई नैतिक अधिकार नहीं बनता क्योंकि रघुवर मंत्रिमंडल में शामिल लोगों ने ही सरकार को भ्रष्ट बताया है। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता जरिता लैपतलॉग, प्रवक्ता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता एवं सह कार्यालय प्रभारी डॉ विनोद सिंह उपस्थित थे।

कांग्रेस, झामुमो व अन्य विपक्षी पार्टियों ने लोगों टगने का काम किया : योगी

सरायकेला। भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ईचण्ड विधानसभा सीट के पार्टी प्रत्याशी साधु चरण महतो के पक्ष में मिलन चौक अस्पताल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्षों से लटके राम मंदिर के मुद्दे को भाजपा की मजबूत सरकार ने सुलझा लिया। सुप्रीम कोर्ट से राम

मंदिर बनाने का फैसला आ गया है। साथ ही धारा 370 का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबासाहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान किया। उन्होंने कहा बाबासाहब भी कश्मीर से धारा 370 हटाना चाहते थे, ताकि आतंकवाद पर नकेल कसने का काम किया जा सके। 370 को समाप्त कर भाजपा सरकार ने बाबासाहब को सम्मान देने का

काम किया है. उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने सभी गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अंबेडकर योजना के तहत पक्का मकान दिया है क्योंकि प्रधानमंत्री की जो विकास के बारे में सोच है वह सोच दूसरे दलों की नहीं हो सकती है। झारखंड में भी रघुवर दास की सरकार ने किसानों को प्रति एकड़ 5 हजार रुपये किसान आशीर्वाद योजना के तहत दिये है।



गाद चोरी के आरोप में पकड़कर 15-20 लोगों ने जमकर की थी पिटाई, रिस्म में इलाजत घायल शबन ने कहा

पुलिस अगर मौके पर नहीं पहुंचती तो जान भी जा सकती थी

विवेक राज

रांची : रिस्म के सर्जरी वार्ड में भर्ती 19 वर्षीय युवक मो शबन आज भी 2 दिसंबर की घटना को याद कर कांप उठता है। बार-बार अपने खुद को याद कर कहता है कि उस रात ऊपरवाले की मेहरबानी थी कि उसकी जान बच गयी। पुलिस अगर मौके पर नहीं पहुंचती तो उसकी जान भी जा सकती थी।

गंभीर रूप से घायल हिंदीपौड़ी, इस्लामी मरकज का रहनेवाला मो शबन बताता है कि दो दिसंबर की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह अपने मामा

एजाज के घर से पैतालिस सौ रुपये लेकर घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान हरमू हाउसिंग कॉलोनी (ईडब्ल्यूएस) के समीप एक ग्वाला उसे पकड़कर अपने घर के पास ले गया और गाय चोरी करने का आरोप लगाते हुये मारपीट करने लगा। कुछ दिन पूर्व ग्वाला का गाय चोरी हुआ था। जिसके कारण वह शक करते हुये पकड़ा था। इस दौरान उसके घर के अन्य सदस्य और आसपास के करीब 15-20 लोग भी बाहर निकलकर लाठी,डंडा और बेल्ट से उसकी पिटाई करने लगे।इस जानलेवा हमला में वह

गंभीर रूप से घायल हो गया। **पोल में बांधकर गले में लगा दिया था फांसी का फंदा** : घायल युवक मो शबन ने यह भी बताया कि मारपीट के दौरान भीड़ ने उसे पकड़कर एक बिजली पोल में रस्सी से बांध दिया था। इस दौरान एक युवक ने उसके गले में रस्सी का फंदा डाल दिया और बोला कि इसको फांसी लगा दो। इस दौरान पॉकेट से 45 सौ रुपये भी छीन लिया गया।

पुलिस के पहुंचने पर बची युवक की जान : मो शबन ने यह भी बताया कि मौके पर अगर पुलिस नहीं पहुंचती तो उसकी

जान भी जा सकती थी लेकिन सही वक्त पर अरगोड़ा थाना की पुलिस वहां पहुंच गई। पुलिस को देखते ही सभी उसे छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने सभी को खदेड़कर उसकी जान बचायी। जिसके बाद पुलिस उसे फौरन लेकर इलाज के लिये रिस्म पहुंची और उसके परिवार को घटना की जानकारी दी।

आरोपियों की पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्तार में होंगे।

बिनोद कुमार, इश्येक्टर सह थाना प्रभारी, अरगोड़ा



रांची : नामकोम थाना अंतर्गत लाली पंचायत के हेसो जंगल में रांची पुलिस और जगुआर के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान पहाड़ी के तलहटी से ऑपरेशन में शामिल पुलिसकर्मीयों ने एक कट्टा, दस इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, पांच जेल विस्फोटक, एक राउंड एके 47, दो राउंड एसएलआर और प्लाईवुड 315 की चार राउंड गोली बरामद की गई है। खबर लिखे जाने तक इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी था।



रांची : नामकोम थाना अंतर्गत लाली पंचायत के हेसो जंगल में रांची पुलिस और जगुआर के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान पहाड़ी के तलहटी से ऑपरेशन में शामिल पुलिसकर्मीयों ने एक कट्टा, दस इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, पांच जेल विस्फोटक, एक राउंड एके 47, दो राउंड एसएलआर और प्लाईवुड 315 की चार राउंड गोली बरामद की गई है। खबर लिखे जाने तक इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी था।

वाहन जलाने के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

अपराध संवाददाता

रांची : सदर थाना की पुलिस ने दुधटनाग्रस्त गाड़ी को आग लगाकर जला देने के आरोपी मो इमरान को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी बरियातू पहाड़ी टोली का रहनेवाला है। जानकारी के अनुसार तीन माह पूर्व सदर थाना क्षेत्र में दुधटनाग्रस्त गाड़ी को दो लोगों द्वारा आग के हवाले कर जला दिया गया था। जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुये बरियातू बस्ती में रहनेवाले एक आरोपी मो जफर को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं दूसरा आरोपी मो इमरान फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना पर पुलिस ने मंगलवार को बड़गाई से गिरफ्तार किया।

चान्हों इलाके में वाहन चेंकिंग के दौरान एसएसटी व पुलिस टीम ने किया ऑल्टो कार से 5 लाख 20 हजार बरामद

अपराध संवाददाता

रांची : विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। गुरुवार को चान्हों थाना अंतर्गत मदरसा चौक के समीप एसएसटी व रांची पुलिस की टीम ने वाहन जांच के दौरान एक ऑल्टो कार (जेएच01एजे-1274)से नगद पांच लाख बीस हजार रुपये बरामद की है।

जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा जब्त की गई रुपये चान्हों - पतरातू गांव के किसान हरिशचंद्र महतो की है। गुरुवार को अपने सब्जी सल्लाई का पैसा टाटा सब्जी बाजार से तगादा कर वसूल कर घर लौट रहे थे। पैसे की पूरी जानकारी देने के बाद भी सीओ



द्वारा उन्हें नहीं छोड़ा गया। चान्हों सीओ के अनुसार आयकर विभाग के अधिकारियों के जांच के बाद ही कुछ निर्णय लिया जायेगा।

वहीं रुपये पकड़े जाने की सूचना मिलते ही चान्हों -पतरातू क्षेत्र के कई ग्रामीण मौके पर पहुंचकर पुलिसिया कार्रवाई का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस जांच के नाम पर किसानों को बेवजह परेशान कर रही है। मौके पर चान्हों थाना प्रभारी दिलेश्वर कुमार व सीओ के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुये।

अरगोड़ा : महिला के गले से चेन छिनतई

अपराध संवाददाता

रांची : शहर में चोरी व चेन छिनतई की घटना आम हो गई है। अपराधी बेखौफ दिनदहाड़े घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। ऐसी ही एक चेन छिनतई की घटना बुधवार सुबह अरगोड़ा इलाके में घटी है। जिसमें पैदल चल रहा युवक एक महिला के गले से चेन छिनतई कर दौड़ कर भाग



निकला। इस संबंध में पीड़ित महिला ने अज्ञात के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है।

जानकारी के अनुसार

सोनाली मुखर्जी नामक महिला बुधवार सुबह करीब पौने नौ बजे अपने बेटे को डीएवी कपिलदेव स्कूल छोड़कर घर लौट रही थी। इसी दौरान वह अपने घर से कुछ दूर पूर्व रामेश्वरम अपार्टमेंट के समीप जैसे ही पहुंची कि पीछे से पैदल आ रहा एक युवक अचानक उनके गले से सोने का चेन झपट्टा मारकर छिनते हुये दौड़कर भाग निकला।पुलिस युवक की तलाश में जुटी है।

यूपी के पूर्व एमएलसी जयेश को जेल, 4 लाख नकदी व पिस्टल के साथ हुए थे गिरफ्तार

रांची : उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद को गुरुवार को रांची में परमानंद उपाध्याय की अदालत में 14 दिन के न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया। बुधवार को सिल्ले थाना पुलिस ने उनकी फॉल्चूनर कार से 431009 रुपये नगद, भुजाली, पिस्टल व गोली बरामद की थी। उन्हें आज अदालत में पेश किया

गया। यहां उन्होंने कहा कि वह पुरी जा रहे थे। रास्ते के खर्च के लिए पैसा रखा था। वहीं उन्होंने पिस्टील का लाइसेंस दिखाया। लेकिन लाइसेंस मैच नहीं किया।

वाहन चेकिंग में गिरफ्तार किए गए थे : सिल्ले थाना क्षेत्र के मुरी-गोला मार्ग पर गेडबौर में बने चेकनाका पर वाहन चेकिंग के दौरान बुधवार को उत्तर प्रदेश के

पूर्व एमएलसी कुंवर जयेश प्रसाद रिवाल्वर और 4.31 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किए गए थे। उनके पास से प्लाईट 22 बोर की रिवाल्वर, 15 गोлияं (प्लाईट 22 बोर की पांच और प्लाईट 30 बोर रायफल की दस गालियां), एक भुजाली और एक शराब की बोतल बरामद की गई थी। हथियार मिलने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ

की। पकड़े जाने के बाद एमएलसी ने एक लाइसेंस दिखाया, जिसका सत्यापन किया गया तो हथियार में लिखे सीरियल नंबर से मैच नहीं हुआ। इस वजह से उनके खिलाफ सिल्ले थाने में आरम्भ एकट का केस दर्ज किया गया। पूर्व एमएलसी उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के खिरनीबाग के रहने वाले हैं।

पत्नी के साथ जा रहे थे पुरी :

बुधवार को फॉल्चूनर कार (यूपी 27एआर 0001) की चेकिंग की गई थी। इसमें कार से 4.31 लाख रुपये, हथियार व गोлияं बरामद की गईं। इसके बाद कार में बैठे पूर्व एमएलसी कुंवर जयेश प्रसाद व उनकी पत्नी नीलम प्रसाद को पुलिस सिल्ले थाने ले गई। वहां पूर्व एमएलसी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि पत्नी को छोड़ दिया गया है।

टायर चोरी का आरोपी गया जेल

अपराध संवाददाता

रांची : अरगोड़ा थाना की पुलिस ने गुरुवार को टायर चोरी करने के आरोपी जहांगीर अंसारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी युवक अरगोड़ा, आजाद हिंद नगर, भट्टा मुहल्ला हरमू का रहनेवाला है। पुलिस के अनुसार कडरू ब्रिज



के पास मो आबिद के टायर दुकान में बुधवार को सुबह करीब 11.30 बजे आरोपी अपने सहयोगियों के साथ टायर चोरी की घटना को अंजाम दे रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आरोपी को रंगहाथ गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ थाने में कांड संख्या 412/19 दर्ज की गई है।

जगन्नाथपुर विस: कोड़ा दंपति मैदान में नहीं, प्रतिष्ठा दांव पर

संवाददाता

रांची : एशिया का सबसे घना जंगल सारंडा वन क्षेत्र 700 से अधिक पहाड़ियों से घिरा है । मनोरम दृश्य तथा अपने गर्भ में अरबों-खरबों की अकूत खनिज एवं वन संपदा समेटे पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से 2019 के विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा या उनकी सांसद पत्नी गीता कोड़ा चुनाव स्थित लौह अयस्क खदानों से देश-विदेश की कई फैक्ट्रियों की चिमनी जलती है और देश में स्टील उत्पादन के लिए 25 प्रतिशत लौह अयस्क का हिस्सा इसी क्षेत्र से जाता है।

निर्दलीय विधायक रह कर करीब दो साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहे मधु कोड़ा का यह निर्वाचन क्षेत्र देशभर में चर्चित रहा है और झारखंड के सबसे हॉट सीटों में से एक माना जाता है। वर्ष 2009 के

लोकसभा चुनाव में सीमा से अधिक राशि खर्च करने के मामले में आयोग ने मधु कोड़ा के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी, जिसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में उनकी विधायक पत्नी गीता कोड़ा चुनाव लड़ी, लेकिन हार गयी, परंतु 2019 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर गीता कोड़ा चुनाव जीतने में सफल रही। गीता कोड़ा जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र का भी दो बार प्रतिनिधित्व कर चुकी है, लेकिन सांसद बन जाने के बाद इस बार कांग्रेस ने कोड़ा दंपति के करीबी सोनाराम सिंकू को उम्मीदवार बनाया है। लगातार 20 वर्षों से जगन्नाथपुर विधानसभा में कोड़ा दंपति का ही राज चल रहा है , यहां कोड़ा दंपति का सिक्का चलता है। कहा जाता है कि मधू कोड़ा जिसको चाहे उसे सांसद और विधायक बना सकते हैं। इस बार 2019 के चुनाव में मधु कोड़ा के अभेध किला जगन्नाथपुर में सेंध लगाने के लिए भाजपा ने सुधीर सुंडी को अपना प्रत्याशी बनाया है। सुधीर सुंडी अध्यापक रह चुके



हैं इसके साथ ही वह जिला परिषद सदस्य का भी चुनाव जीत चुके हैं , परंतु पिछली बार जिला परिषद चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस प्रत्याशी सोना राम सिंकू बेहद साधारण परिवार से आते हैं और वह निजी बस में एजेंट-कंडक्टर का काम कर किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे थे । सोनाराम सिंकू मधू कोड़ा और कोड़ा दंपति के खासम

झामुमो-कांग्रेस गठबंधन के कारण झामुमो छोड़कर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की पार्टी झामिमो में शामिल हो गए और झामिमो की कंधी लेकर चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे हैं।

जगन्नाथपुर विधानसभा में वैसे तो राष्ट्रीय क्षेत्रीय और निर्दलीय सहित 13 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं और चुनावी दंगल में जोर आजमाइश कर रहे हैं। लेकिन भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों की के बीच सीधा मुकाबला होना माना जा रहा है, वहीं आजसू पार्टी से चुनाव लड़ रहे मंगल सिंह सुरेन और झामिमो के कंधी लेकर चुनाव मैदान में उतरे पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोणा चुनाव को चतुर्थकोणीय बनाने में जुटे हैं। सभी प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में पूरी ताकत झोंक दी गयी है। प्रत्याशी सुबह से लेकर देर रात्रि तक गांव-गांव घर-घर घूम रहे हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद करने में जुटे हैं। चुनाव जीतने के लिए हर तरह के राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा

रहे हैं साम-दाम-दंड-भेद ,खरीद-फरोख्त ,प्रलोभन तोड़फोड़ से भी गुरेज नहीं किया जा रहा है।

लाल पानी, गरीबी, बेरोजगारी पलायन रहा है प्रमुख मुद्दा : दर्जनों लोहा खदानों, वन संपदा के बावजूद जगन्नाथपुर विधानसभा में गरीबी, बेरोजगारी, पलायन आदि की समस्या प्रमुख है इसके साथ ही लाल पानी के आतंक से लोग परेशान हैं। लोएस्ट खदानों से निकलने वाले डस्ट और धूल कण से पूरा वातावरण प्रदूषित और जल स्रोत नदी लाले लाल हो गए हैं। लोग लाल पानी, नदी नाले का गंदा पानी लोग पीने को विवश है। लाल पानी का आतंक, धूल प्रदूषण, बेरोजगारी -पलायन राजनीतिक मुद्दा बना है। जगन्नाथपुर विधानसभा का अधिकांश क्षेत्र नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है अधिकांश बृथ जंगल क्षेत्रों में है। सारंडा जो नक्सलियों का गढ़ माना जाता है पुलिस प्रशासन के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्र में निष्पक्ष पारदर्शी और भयमुक्त चुनाव कराना भी बड़ी चुनौती है।

दूरदर्शी सोच से कोल्हान की तस्वीर बदली : रमेश हांसदा

संवाददाता

रांची : भाजपा के संथाल के सह प्रभारी रमेश हांसदा ने कहा है कि बीते 5 वर्षों में मुख्यमंत्री रघुवर दास के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच की वजह से कोल्हान क्षेत्र की तस्वीर बदल गई है। उन्होंने कहा कि कोल्हान के क्षेत्र में अगर जमशेदपुर को छोड़ दिया जाए तो बाकी क्षेत्र काफी पिछड़े थे। 14 वर्षों तक गैर भाजपाई सरकारों ने क्षेत्र में विकास के कोई भी काम नहीं किया। भाजपा की स्थाई सरकार की वजह से क्षेत्र में विकास के नए आयाम खुले। पोटका में 12843 घरों तक बिजली पहुंचाई गई जबकि 376.51 करोड़ से सड़क का निर्माण किया गया सरायकेला खरसावां के आमदा में खादी पार्क के निर्माण होने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला। सरायकेला खरसावां का यह क्षेत्र तसर के लिए काफी प्रसिद्ध है। खादी पार्क



में प्रशिक्षण उत्पादन और बिक्री की व्यवस्था कराई गई है। खादी से जुड़ने की वजह से क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर पहले से बेहतर हुआ है। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में एनयूएलएम के तहत 5364 लाभुकों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण एवं 2234 लाभुकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। यह सब भाजपा की डबल इंजन की सरकार की वजह से संभव हो पाया है। श्री हांसदा ने कहा की इस चुनाव में भी जनता स्थायित्व और विकास चाहती है। और इस वजह से चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आएंगे।

प्याज 100 पार फिर भी भक्तों के लिए अच्छी सरकार : सुबोधकांत

संवाददाता

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि पूरे देश में झारखंड पहला राज्य है जहाँ पुल चूहा कूतर देता है अनाज की बोरियों सड़ जाती है, और लोकतंत्र के मंदिर विधानसभा में रातों रात आग लग जाती है।

सहाय ने कहा कि जिस विधानसभा का उद्घाटन में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री को बधाई दी, वहीं विधानसभा सरकार को सौंपने के पहले जल जाती है। श्री

सहाय ने विधानसभा में लगी आग की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की है।

एक तरफ मोदी कहते हैं कि देश लुटने नहीं दूंगा, वही दूसरी ओर प्रधानमंत्री के संरक्षण में पल रहे कुछ पूंजीपति देश को सिर्फ लूट ही नहीं रहे वरन लूट कर देश से प्रधानमंत्री के नाक के नीचे से भाग जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रोजमर्रा में काम आने वाले प्याज की कीमत आसमान छू रही है और प्रधानमंत्री अपने भाषणों में जुमलों को आसमान छूआ रहे हैं।

झामुमो-भाजपा के बीच लड़ाई को बागी बड़कुंवर गगराई ने बनाया त्रिकोणीय

मझगांव विस

रांची : ओडिसा की सीमा से सटे और सारंडा वन क्षेत्र में बसे मझगांव विधानसभा क्षेत्र में इस बार विधानसभा चुनाव में मुकाबला बड़ा दिलचस्प है। गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और विकास से कोसो दूर मझगांव विधानसभा सीट के लिए इस बार कुल 16 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, लेकिन चुनाव में मुख्य मुकाबला झारखंड मुक्ति मोर्चा के निरल पूर्ति और भाजपा के भूषण पाट पिंगुवा के बीच है, वहीं मुकाबले को भाजपा के बागी सह पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई त्रिकोणीय बनाने में जुटे है।

सभी प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और क्षेत्र में चुनाव प्रचार पूरी तरह से उफान पर है। प्रत्याशी सुबह से शाम तक गांव-गांव घर-घर में घूम घूम कर ठंड में अपना भी पसीना बहा रहे हैं।

मझगांव विधानसभा वर्तमान में झामुमो के कब्जे में है और यहां से झामुमो ने फिर से यहां से विधायक निरल पूर्ति को चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा ने आदिवासी हो समाज युवा महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष और हाल में ही भाजपा में शामिल हुए कांग्रेसी नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के करीबी भूषण पाट

ईचा डैम से विस्थापन प्रमुख मुद्दा

मझगांव विधानसभा में ईचा खरकई डैम प्रमुख मुद्दों में शामिल रहा है और ईचा खरकई डैम जीत और हार का फैसला करता है। झामुमो प्रत्याशी निरल पूर्ति डैम निर्माण का विरोध कर रहे हैं। वहीं सरकार डैम बनाने में लगी है। डैम निर्माण को लोगों को समझाया जा रहा है कि भाजपा की सरकार बनेगी तो डैम बनेगा और लोग विस्थापित होंगे कई गांव डूब जाएंगे। ईचा खरकई डैम काफी हद तक मझगाव विधानसभा में जीत हार का फैसला करेगा।

पिंगुवा को अपना प्रत्याशी बनाया है। लेकिन भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई भी भारतीय आजाद सेना के प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतर गये है। गगराई का चुनाव चिह्न

कैंची छाप है और यह चुनाव चिह्न कोल्हान और सिंहभूम जिले में काफी प्रसिद्ध और चर्चित चुनाव चिह्न है। कैंची छाप चुनाव चिन्ह से पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा निर्दलीय विधायक बन कर मुख्यमंत्री तक के पद को

सुरोभिित कर चुके हैं और कैंची छाप से ही वे सांसद का चुनाव लड़कर चुनाव जीते और सांसद बने हैं।

मझगांव विधानसभा में झामुमो प्रत्याशी निरल पूर्ति और पूर्व में भाजपा से विधायक और मंत्री बने बड़कुंवर गगराई ही दबदबा रहा है। एक बार निरल पूर्ति, दूसरी बार बड़कुंवर गगराई चुनाव जीतते रहे हैं। इस तरह एक बार निरल पूर्ति को यहां की जनता जीताती है तो दूसरी बार उन्हें हराकर बड़कुंवर गगराई को, यही विधानसभा का इतिहास रहा है उस लिहाज से इस बार विधानसभा से भाजपा के

बड़कुंवर गगराई जीतने की संभावना मानी जाती थी। मगर इस बार भाजपा ने बड़कुंवर गगराई का टिकट काटकर भूपेंद्र पिंगुआ उर्फ भूषण पाट पिंगुआ को अपना प्रत्याशी बनाया है। भूषण पाट पिंगुआ आदिवासी महासभा में रहते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं। इसके साथ ही धर्मांतरण को लेकर काफी मुखर भी रहे हैं। मझगांव विधानसभा से जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सालखन मुर्मू भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं और आजसू पार्टी से नंदलाल बिरुवा चुनाव मैदान में खड़े हैं और जमकर पसीना बहा रहे हैं।



भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे जमुआ, कहा

भारतीय जनता पार्टी के पास विजन और मिशन है

प्रतिनिधि

जमुआ। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के जमुआ में चुनावी सभा में शुक्रवार को भारी भीड़ उमड़ी। श्री नड्डा ने सभा को संबोधित करते हुए डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए भाजपा के पास विजन और मिशन है। इस बार 65 पार का लक्ष्य पूरा होगा। कहा हम सेवा करने वाले लोग हैं और वो मेवा खाने वाले लोग हैं। कहा कि भाजपा भलाई करने वाली पार्टी है दूसरे तरफ मलाई खाने वाली पार्टियां हैं। कहा कि यह चुनाव झारखण्ड की तकदीर और तदबीर सँवारनेवाला है। कहा कि हम काम करके वोट मांगने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ सिर्फ वायदे करने वाले लोग। कहा कि लोकसभा चुनाव में 224 सीटों पर 50 प्रतिशत वोट सिर्फ भाजपा गठबंधन को जनता ने दिया। कहा कि आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी

स्वास्थ्य योजना है। कहा कि 59 लाख लोग इस योजना का फायदा उठा चुके। कहा कि वोट की ताकत ने जम्मू कश्मीर से 35 ए और धारा 370 को समाप्त करने का कार्य किया। कहा 2014 में 6 एम्स देश भर में थे जिसमें 5 अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार ने खुलवाया। मोदी जी की सरकार ने 19 एम्स खोलने का कार्य किया। कहा कि 70 साल में

में 22 हजार किलोमीटर सड़क निर्माण किया गया। 15 साल में रखुबर सरकार ने झारखण्ड में 22 हजार 485 किलोमीटर सड़कें बनाईं। उन्होंने कहा कि 70 सालों में झारखण्ड में मात्र 3 मेडिकल कालेज खुले मोदी जी ने 5 मेडिकल कालेज झारखण्ड को दिए। कहा कि तीन तलाक पाकिस्तान,

अफगानिस्तान जैसे मुस्लिम देशों में नहीं है तो यहाँ क्यों। कहा मुस्लिम महिलाओं के बेहतरी के लिए तीन तलाक बिल लाया गया। कहा देश में 11 करोड़ शौचालय बनाये गए। जमुआ 55 हजार स्वच्छ शौचालय का निर्माण हुआ। कहा पीएम ने किसानों को किसान सम्मान योजना से जोड़ा तो झारखण्ड की डबल इंजन की सरकार ने किसान आशीर्वाद

प्रशांत जायसवाल ने दारू में किया जनसंपर्क

हजारीबाग। सदर भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के भाई प्रशांत जायसवाल उर्फ राजा लगातार उनके पक्ष में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं और लोगों से अपने भैया के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को प्रशांत जायसवाल ने अपने समर्थकों के साथ दारू प्रखंड के आधा दर्जन से अधिक गांवों में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने दारू प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलकर प्रखंड क्षेत्र में हो रहे चुनाव प्रचार की जानकारी ली। प्रशांत जायसवाल ने झुमरा, हरली, पेटो, दारू खैरिका, दारू चौक जाकर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों से भी मिले

और आगामी विधानसभा चुनाव में ईवीएम के क्रम संख्या तीन पर कमल फूल छाप में बटन दबाने का आग्रह किया। उनके साथ विशेषरूप से बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, मंडल अध्यक्ष बसंत नारायण, नगर विधायक प्रतिनिधि शंकर चंद्र पाठक, सांसद प्रतिनिधि राजन सिन्हा, रामनरेश कुशवाहा, प्रमोद कुमार, रंजीत सिन्हा, जीतन प्रसाद, राम कुशवाहा, प्रकाश कुमार, अजित कुशवाहा नारायण दास, गोपाली साव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नव प्रदेश सार

विश्वास का दूसरा नाम जयप्रकाश भाई पटेल : नीरज झा

मांडू : झारखंड विधानसभा चुनाव के हॉट सीट मांडू को लेकर राजनीतिक सरगमों चरम पर है। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान वर्षों से विधायक समर्थक रहे साथ ही भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सह विधायक प्रतिनिधि नीरज झा के द्वारा मांडू विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को लेकर सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में नीरज उर्फ पप्पू झा ने बताया कि मांडू विधानसभा क्षेत्र में विश्वास का दूसरा नाम जयप्रकाश भाई पटेल है। मांडू विधानसभा क्षेत्र की जनता के विश्वास पर वर्तमान विधायक सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल खरे उतरे हैं। क्षेत्र की जनता को दशकों से जयप्रकाश भाई पटेल पर विश्वास है। भाजपा प्रत्याशी पटेल को मांडू विधानसभा क्षेत्र विधानसभा क्षेत्र की जनता का अपार जनसमर्थन मिल रहा है। विधायक जयप्रकाश भाई पटेल के नेतृत्व में क्षेत्र का चौमुखी विकास हुआ है। विधायक जयप्रकाश भाई पटेल द्वारा विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। मांडू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल की जीत सुनिश्चित है। जयप्रकाश भाई पटेल रिकॉर्ड मतों से मांडू विधानसभा से जीतेंगे।

प्रियंका रेड्डी के न्याय के लिए अभावपि ने निकाला आक्रोश मार्च



झुमरीतिलैया (कोडरमा)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा गुरुवार को एक आक्रोश मार्च जगन्नाथ जैन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के द्वारा निकाला गया। इस मार्च से यह साफ प्रतीत हुआ कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में अत्यंत क्रोध एवं आक्रोश भरा हुआ है। यह मार्च जगन्नाथ जैन महाविद्यालय झुमरी तिलैया से लेकर चाराडीह चौक तक निकाली गई। जिसमें सभी छात्र छात्राओं का कहना है कि सभी चीजों की एक हद होती है परंतु दुष्कर्मियों का साहस और मनोबल इतना अधिक मजबूत हो गया है कि वह निडरता के साथ बलात्कार जैसे दुष्कर्म को अंजाम दे रहे हैं। साथ ही साथ वे भारत सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि वह इसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें तथा भविष्य में इस प्रकार की कोई घटना घटित ना हो उसके लिए कुछ ऐसा कठोर कानून व्यवस्था बनाए जिससे कि दुष्कर्मियों का मनोबल टूट सके। आक्रोश मार्च में विद्यार्थी परिषद प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वर्षा कुमारी, जिला संयोजक सनी गुप्ता, जिला सेफ्टी प्रमुख सुधीर कुमार साव, जितेंद्र भूषण, वीरेंद्र कारोटे, रामस्वरूप कुमार, मिथिलेश उपाध्याय, दीपक कुमार, एनसीसी के जीवन गुप्ता, हर्षित कुमार, राखी कुमारी, प्रांजल कुमारी, धीरज कुमार, सविन कुमार, अमृता कुमारी, सूरज केदार एवं यूजी पीजी के अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

राजेंद्र सिंह ने फुसरो में चुनावी कार्यालय का किया उद्घाटन



बेरमो। इंटक के महामंत्री सह बेरमो विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बुधवार को फुसरो बाजार स्थित कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोग बदलाव और विकास चाहते हैं। आम लोग महंगाई, बेरोजगारी से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। बेरमो विधानसभा क्षेत्र का विकास ठहर गया है। उन्होंने लोगों से प्रार्थना की कि वह विकास के लिए उन्हें वोट दे। मौके पर नप अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष छेदी नोनिया, विजय सिंह, कृष्ण चांडक, रवि छाबड़ा, नागेंद्र सिंह, संजय सिंह, आनंद राम, धर्मेन्द्र सिंह, पंकज कुमार, रविन्द्र कुमार, महेंद्र खेमका, सुनील अग्रवाल, सुरज मित्तल, दीपक अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद, मोहम्मद मुस्तकीम, शिवनंदन, मदन महतो, भोलू खान, दीपक महतो, चौहान, आजाद कुमार बावरी, कामोद नोनिया, साधु बावरी, निर्मला देवी, संतोष सिंह, तूफानी सिंह, दीपक महतो, मदन महतो, समर सिंह, दुर्गा गोप, नंदकिशोर सिंह, बालेश्वर गोप, बंटी मिश्रा, जगदीश ठाकुर, निमाय चंद्र मंडल, रामचरण तुरी, नीलकंठ दत्ता, जेपी पाठक सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

प्रत्याशी राजेंद्र सिंह के पक्ष में उमड़ा जनसैलाब : आनंद शंकर

संवाददाता

बेरमो। बेरमो विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में बिहार स्थित औरंगाबाद के विधायक आनंद शंकर सिंह ने बुधवार को तूफानी दौरा किया। इस दौरान विधायक श्री सिंह सुभाष नगर, जवाहर नगर, तीन नंबर, डीबीसी आदि क्षेत्रों में डोर टू डोर जाकर महागठबंधन के प्रत्याशी राजेंद्र सिंह के जीत के लिये लोगों से उनके पक्ष में वोट करने की अपील की।

इस दौरान आनंद शंकर सिंह ने कहा कि राजेंद्र सिंह विकास पुरुष हैं। कहा की इस बार के चुनाव में राजेंद्र सिंह के पक्ष में जनता का जनसैलाब

उमड़ चूका है और उनकी जीत पक्की है।

मौके पर अशोक सिंह, उदय प्रताप सिंह उर्फ मुन्हे, अभिषेक सिंह,

सुमित सिंह, रमाकांत सिंह, मुन्ना उपाध्याय, त्रिपुरारी सिंह, राणा प्रताप सिंह, नितेश सिंह मोनू ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

पेंशनर समाज की बैठक सम्पन्न 12 पेंशनभोगी होंगे सम्मानित

संवाददाता

कोडरमा। जिला पेंशनर समाज कोडरमा की मासिक बैठक अध्यक्ष नारायण मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गए। योजना सह वित्त विभाग झारखंड सरकार के द्वारा 1.1.1981 से 13.12.2015 तक सेवानिवृत्त कर्मियों या शिक्षकों का सातवां वेतन पुनरीक्षण हेतु राज्य के सभी जिलों के सभी पदाधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त कोडरमा ने भी कोडरमा जिले के निकासी एवं पदाधिकारियों को तत्परता दिखाते हुए इस कार्य को अचल कर रहे हैं।

कोडरमा। जिला पेंशनर समाज कोडरमा की मासिक बैठक अध्यक्ष नारायण मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गए। योजना सह वित्त विभाग झारखंड सरकार के द्वारा 1.1.1981 से 13.12.2015 तक सेवानिवृत्त कर्मियों या शिक्षकों का सातवां वेतन पुनरीक्षण हेतु राज्य के सभी जिलों के सभी पदाधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त कोडरमा ने भी कोडरमा जिले के निकासी एवं पदाधिकारियों को तत्परता दिखाते हुए इस कार्य को अचल कर रहे हैं।

डीडीओ द्वारा सिर्फ टालमटोल किया जा रहा है : मोदी

का आदेश दिया। कोडरमा के कई विभागों द्वारा इस संबंध में तत्परता दिखाते हुए प्रपत्रों को महालेखाकार झारखंड रांची को भेज दिया गया है। परंतु जिला शिक्षा अधीक्षक कोडरमा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा एवं उनके अधीनस्थ डीडीओ के द्वारा सिर्फ टालमटोल किया जा रहा है। उपायुक्त से मांग की गई कि अपने अधीनस्थ इन दोनों विभागों के पदाधिकारियों को आदेश दिया जाए ताकि वे उक्त कार्य पर

कार्यवाही कर सकें। वहीं 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले पेंशनर्स दिवस के अवसर पर सम्मानित होने वाले वरीय पुरुष एवं महिला पेंशन भोगियों की सूची बनाने हेतु समिति का गठन किया गया। इसके सदस्य राम नरेश चौधरी, चंदिका प्रसाद, उमाशंकर प्रसाद एवं जय नारायण सिंह, सिद्धेश्वर प्रसाद बनाए गए। समिति का दायित्व होगा कि वरीयता के आधार पर 8 पुरुष एवं 4 महिला पेंशन भोगियों का चयन किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष नारायण मोदी के अलावा सचिव नारायण सिंह, राम नरेश चौधरी, रामकृष्ण सिंह, जय नारायण सिंह, कृष्ण कुमार, सीता सुंदरी, मोती देवी, सावित्री देवी, सहदेव मोदी,

हैदराबाद की घटना के विरुद्ध में निकला मार्च

हजारीबाग

हजारीबाग। हैदराबाद एवं रांची में हुए बलात्कार की दुखद घटनाओं के विरोध में गुरुकुल कोचिंग संस्थान, गुरुकुल इंटर कॉलेज, गुरुकुल एनआईआईटी कंप्यूटर एकेडमी के विद्यार्थियों का जनक्रोश आज सड़कों पर उमड़ पड़ा।

सभी विद्यार्थी बलात्कारियों को फांसी दो फांसी दो के नारे बुलंद कर रहे थे वी वोट जस्टिस हमें न्याय चाहिए के नारे छात्राओं द्वारा चारों ओर लगाए जा रहे थे विद्यार्थियों का जनसैलाब हजारीबाग की सड़कों पर उमड़ पड़ा और केंद्र सरकार राज्य सरकार से छात्र छात्राओं द्वारा चारों ओर लगाए जा रहे थे केंद्र सरकार

राज्य सरकार से मांग की गई कि बलात्कारियों के लिए कठोर कानून बनाए जाएं और उन्हें त्वरित फांसी दी जाए।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व गुरुकुल के निदेशक जे पी जैन, प्रबंध निदेशिका शिप्रा जैन मार्गदर्शक संजय सिन्हा एवं अन्य

छात्र-छात्राओं ने हजारों की संख्या में भाग लेकर बलात्कारियों के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया।

बोकारो प्रत्याशी के लिए केंद्रीय मंत्री ने किया चुनावी सभा।

बोकारो। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री रामदास अठवाल ने आज बोकारो के सेक्टर 9 स्थित वैशाली मैदान में अपने पार्टी के बोकारो विधानसभा क्षेत्र के प्रत्यासी नवल शर्मा के लिए वोट मांगते हुए जनसभा को संबोधित किया। यहाँ बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी समाजिक न्याय की पार्टी है सबको साथ लेकर चलने में विस्वास करती है। वहीं पत्रकार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ह्र्द को घटक दल है अगर हम यहाँ से एक भी सीट जीतते हैं तो हम बीजेपी को समर्थन देंगे। वो आये तो थे यहाँ अपनी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में लेकिन लगे हाथ उन्होंने नेरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किये गए कामों की सरहना कर बीजेपी का भी प्रचार कर दिया।

जारी है प्रत्याशियों का तूफानी दौरा

बेरमो। बेरमो विधानसभा में एक तरफ चुनाव के महेनजर सरगमीं तेज है। सभी प्रत्याशियों का लोगों बीच तूफानी दौरा जारी है। इसी बीच गिरिडीह के 16 वीं लोकसभा सांसद रविंद्र पाण्डेय चुनावी दौरे के दौरान कुछ फुरसत के पल को जाया नहीं जाने दिया और एक चाट, पकीड़ी बेचनेवाले ठेले के पास गये और चटपटि चाट का लुत्फ लिया।



विवाद का विधेयक

केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को नागरिकता संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी। पिछली लोकसभा में आया यह बिल उसका कार्यकाल खत्म होने के कारण निष्प्रभावी हो गया था। अब इसे जल्द ही संसद में प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। यह विधेयक नागरिकता अधिनियम 1955 के प्रावधानों को बदलने के लिए पेश किया गया है और इसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्मों के प्रवासियों के लिए भारतीय नागरिकता हासिल करने के नियम को आसान बनाया गया है। अभी किसी विदेशी नागरिक को भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए पिछले 11 वर्षों से लगातार यहां रहना अनिवार्य है। विधेयक में ऊपर बताए गए लोगों के लिए इस अवधि को एक से 6 साल कर दिया गया है। नागरिकता कानून में बदलाव के इस प्रस्ताव का पूर्वोत्तर राज्यों में कड़ा विरोध हो रहा है। कारण यह कि इसमें अवैध घुसपैठ को धर्म के आधार पर बांटने की बात है। विधेयक के अनुसार बांग्लादेशी मुसलमान तो अवैध माना जाएगा पर बांग्लादेशी हिंदू देश का वैध नागरिक हो जाएगा। असम के लोगों को संदेह है कि यह संशोधन एनआरसी से पैदा हुई समस्याओं को सुलझाने के बजाय और उलझाने वाला है। उनकी लड़ाई असम से घुसपैठियों को बाहर करने की रही है और उनकी नजर में घुसपैठिया हिंदू, मुसलमान या ईसाई नहीं, महज एक घुसपैठिया है। 1980 के दशक में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की अगुआई में हुए छात्रों के आंदोलन में यह मुद्दा उन्होंने बड़े पैमाने पर उठाया। 1985 के असम समझौते के दो दशक बाद अंततः 2005 में केंद्र, राज्य सरकार और आसू के बीच असमी नागरिकों के कानूनी दस्तावेजीकरण पर सहमति बनी और अदालत के हस्तक्षेप से इसका एक व्यवस्थित रूप सामने आया। इसके तहत 1971 के बाद आए सभी शरणार्थियों को वापस भेजने का निर्णय हुआ। लेकिन ऐसा लगता है कि मौजूदा केंद्र सरकार की रुचि सिर्फ मुस्लिम शरणार्थियों को चिह्नित करने और बाकियों को अपना वोट बैंक मानकर यहीं बसाए रखने में है। यही वजह है कि बीजेपी के असमिया नेताओं ने भी इस बिल के खिलाफ कमर कस रखी है और असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस मसले पर इस्तीफे तक की धमकी दी है। विपक्षी दलों का तर्क है कि भारत का वर्तमान नागरिकता कानून भारतीय नागरिकता चाहने वालों में धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता और किसी को अलग से रियायत भी नहीं देता है। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था धर्मनिरपेक्षता की बुनियाद पर खड़ी है, जो इस संशोधन बिल से खंडित होती है। सरकार का कहना है कि उसकी कोशिश पड़ोस के इस्लामी देशों में धार्मिक आधार पर पीड़ित अल्पसंख्यकों को राहत पहुंचाने की है। साफ है कि यह बिल एक बड़े सियासी टकराव का सबब बनने जा रहा है। लोकसभा में इसका आसानी से पारित हो जाना तय है, लेकिन राज्यसभा में सरकार अपने बहुमत को लेकर आश्चस्त नहीं है और वहां इसका पास होना आसान नहीं होगा। अगर बीजेपी इसका कोई जुगाड़ कर भी ले तो पूर्वोत्तर की उलझन को वह कैसे सुलझाती है, यह देखने वाली बात होगी।

सिर पर खड़ा संकट

दुनिया भर के पर्यावरणविदों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के साथ आम आदमी की भी नजर मैड्रिड में हो रहे वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप 25) पर टिकी है। इसे पेरिस संधि पर अमल का सम्मेलन बताया जा रहा है। बैठक का मुख्य मुद्दा यही है कि किस तरह धरती का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा न बढ़ने दिया जाए। इसके अलावा विकासशील और विकसित देशों के बीच सामंजस्य बनाने के रास्तों पर भी चर्चा होगी। देखना है, सम्मेलन अपने इस मकसद में किस हद तक कामयाब हो पाता है। बीते सोमवार को शुरू हुआ यह सम्मेलन दो हफ्ते चलेगा। इसका आयोजन इस बार लैटिन अमेरिकी देश चिले में होने वाला था, लेकिन वहां लंबे समय तक चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण इसे स्पेन में कराया जा रहा है। कुछ समय पहले विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट' में कहा गया था कि राजनेताओं के रवैये के कारण पेरिस संधि का लक्ष्य निर्धारित समय पर तो क्या, देर से भी पूरा होना कठिन है। यही कारण है कि हालात सुधरने के बजाय दिनोंदिन और बिगड़ते ही जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कार्बन उत्सर्जन में कमी न आ पाने के चलते ही बीते पांच साल धरती के दर्ज इतिहास में पांच सबसे गर्म सालों के रूप में छप गए हैं। इसका एक दुष्परिणाम यह भी है कि हमारे महानगर लगातार गैस चेंबर में तब्दील होते जा रहे हैं और कहीं सूखा कहीं बाढ़ का सिलसिला दैनंदिन खबरों का हिस्सा बन गया है। ऐसी रिपोर्टों से लोगों में भय है और इसके प्रभाव में लोग एकजुट भी होने लगे हैं। उनमें यह सहमति बनती जा रही है कि ट्रंप या दूसरे राजनेता चाहे जो कहें, पर्यावरण बचाने की मुहिम रुकनी नहीं चाहिए वरना हम सबका जीना मुहाल हो जाएगा। कॉप 25 का यह सम्मेलन इस दृष्टि से बेहद अहम है। सम्मेलन से पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब कोई भविष्य की समस्या नहीं है, वैश्विक स्तर पर हम अभी ही जलवायु संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर चिंता प्रकट की कि वैश्विक तापमान कम करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं हो पा रहे।

14 साल झारखंड पर राज करने वाले इल्जाम हम पर लगा रहे हैं

महाराष्ट्र के घटनाक्रम के बाद कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा है। उसे झारखंड से बेहतर नतीजे मिलने की उम्मीद है, जहां 23 दिसंबर को वोटों की गिनती होनी है। यूपीए सरकार में मंत्री रहे आरपीएन सिंह झारखंड में कांग्रेस के प्रभारी हैं। उनका कहना है कि झारखंड में बीजेपी की बेचैनी इसी बात से समझी जा सकती है कि जिस राज्य में कांग्रेस की आज तक सत्ता न रही हो, उस राज्य के पिछड़ेपन के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

झारखंड में क्या संभावनाएं लग रही हैं? इन चुनावों में आप क्या मुद्दे लेकर जा रहे हैं?

यहां रघुवर दास के खिलाफ बहुत ज्यादा एंटी इनकंबेंसी है। उन्होंने जनता से जो वादे किए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। पांच सालों में भूख से मौतें हुईं, हजारों लोगों की नौकरियां चली गईं, भ्रष्टाचार चरम पर है। यहां किसान आत्महत्या कर रहे हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य खस्ताहाल है। इलेक्शन हम इन्हीं मुद्दों पर लड़ रहे हैं।
क्या ये मुद्दे इतना असर दिखा पाएंगे कि राज्य में सत्ता पलट हो जाए?

झारखंड में कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी का गठबंधन पूरी तरह से मजबूत है, लेकिन बीजेपी के जितने सहयोगी दल हैं, वे अलग हो रहे हैं। 19 साल तक आजसू इनकी लोकल सहयोगी रही, इस बार अलग होकर चुनाव लड़ रही है। जेडीयू और एलजेपी जैसे उनके सहयोगी दल भी अलग लड़ रहे हैं। सबसे बड़ी बात कि लोगों में इस सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। मुझे लगता है कि इस बार झारखंड की जनता ने विपक्ष को मौका देना का मन बना लिया है। आपने बीजेपी और उसके सहयोगियों



में कलह की बात कही तो क्या ऐसी स्थिति खुद कांग्रेस के भीतर नहीं है? कांग्रेस के सारे नेता व कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर रहे हैं। अभी तक हमारा कोई बागी उम्मीदवार नहीं खड़ा हुआ है। सारे कार्यकर्ता बदलाव के लिए कमर कसकर जुटे हैं।
बीजेपी पिछले कुछ चुनावों में लगातार राष्ट्रवाद का मुद्दा उठाती रही

है। कांग्रेस इसका मुकाबला कैसे करेगी? यह सही है कि बीजेपी की रणनीति स्थानीय मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए राष्ट्रीय मुद्दों पर बात करने की होती है। वह पाकिस्तान को भी बीच में जरूर ले आती है, लेकिन हम बीजेपी को स्थानीय मुद्दों की जवाबदेही से बचने नहीं देंगे। बीजेपी की बेचैनी का अंदाजा इसी

वक्त की जरूरत है बेटरी चलित वाहन!

तेल के मामले में ही अगर देखा जाए तो मध्य एशिया में विश्व भर का तकरीबन साठ फीसदी तेल भंडार है। लगातार हो रहे शोधों से यह साफ होता जा रहा है कि विश्व में जिस तेजी से वाहनों की तादाद बढ़ रही है उसी तेजी से ईंधन की खपत में भी इजाफा हो रहा है। वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुंए से पर्यावरण असंतुलित तो हो ही रहा है इसके साथ ही साथ अब महज डेढ़ दो दशकों का तेल ही शेष बचा है। कोयले का भंडार भी कमोबेश यही इशारा कर रहा है। भारत की खुले आसमान तले (ओपन कास्ट) और जमीन के अंदर वाली (अंडर ग्राउंड) खदानों में आने वाले सौ सालों के लिए पर्याप्त कोयले का भंडार है।

लिमटी खरे

दुनिया की आबदी जिस द्रुत गति से बढ़ रही है, उसे देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आने वाले समय की कल्पना मात्र से रोते खड़े हो रहे हैं। दुनिया के पास महज बीस साल का तेल और सौ साल तक उपयोग करने के लिए कोयले का भंडार बचा है, समय रहते अगर इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो हमारी आने वाली पीढ़ियां आधुनिकता का लबादा तो ओह सकेंगी पर वे जीवन का निर्वाह आदिकाल के संसाधनों में ही करने को मजबूर होंगी। ई वाहनों पर जिस तरह से दुनिया भर की नजरें हैं उसका कारण पर्यावरण संतुलन से ज्यादा इन वाहनों के खत्म होता ईंधन है।

आने वाले कल की तस्वीर बहुत ही भयावह नजर आने लगी है। पेट्रोलियम के भंडार के समाप्त होते ही वाहनों के पहिए थम जाएंगे। सुपर सोनिक विमान का अत्याधुनिक वर्जन तो इजाद कर लिया जाएगा पर उसे किससे उड़ाया जाए यह विकराल समस्या होगी। हवा में तैरने वाली कार या बाईक तो बन जाएंगी पर उन्हें चलाया किससे जाए यह सबसे बड़ी समस्या होगी। आलम यही होगा जिस तरह अस्सी के दशक की शुरुआत तक शहरों में लगने वाले मेलें ठेके, प्रदर्शनी आदि में लोग खड़ी मोटर सायकल पर बैठकर फोटो खिंचाया करते थे। कहने का तात्पर्य तब लोगों की खरीदने की ताकत

कम थी, पर आने समय में ताकत होगी पर किस चीज से उसे चलाया जाए यह सबसे बड़ी समस्या होगी।

तेल के मामले में ही अगर देखा जाए तो मध्य एशिया में विश्व भर का तकरीबन साठ फीसदी तेल भंडार है। लगातार हो रहे शोधों से यह साफ होता जा रहा है कि विश्व में जिस तेजी से वाहनों की तादाद बढ़ रही है उसी तेजी से ईंधन की खपत में भी इजाफा हो रहा है। वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुंए से पर्यावरण असंतुलित तो हो ही रहा है इसके साथ ही साथ अब महज डेढ़ दो दशकों का तेल ही शेष बचा है। कोयले का भंडार भी कमोबेश यही इशारा कर रहा है। भारत की खुले आसमान तले (ओपन कास्ट) और जमीन के अंदर वाली (अंडर ग्राउंड) खदानों में आने वाले सौ सालों के लिए पर्याप्त कोयले का भंडार है। भारत का रिजर्व कोयला भण्डारण लगभग 197 बिलियन टन है। कोयले के भण्डारण में भारत का स्थान विश्व में चौथा है।

यूरेनियम के मसले पर अगर गौर फरमाया जाए तो विश्व भर में होने वाली यूरेनियम की खपत का आधा हिस्सा मुख्यतः कनाडा, कजाकिस्तान और आस्ट्रेलिया से ही आता है। कहते हैं कि रामसेतु के नीचे भी यूरेनियम का अथाह भण्डार छिपा हुआ है। अब सवाल यह उठता है कि प्रकृति द्वारा अपने आंचल में छिपाई इस बेशकीमती संपदा के समाप्त होने के उपरांत क्या किया जाएगा? इसका

जवाब यह है कि प्राकृतिक तौर तरीकों को ही हमें अंगीकार कर इसमें ही भविष्य तलाशना होगा, बजाए समाप्त होने वाले भण्डारों के। वैज्ञानिक इस दिशा में प्रयासरत अवश्य हैं पर विश्व की आवाम इस दिशा में न तो संवेदनशील ही है और न ही उसे जागरूक किया जा रहा है।

हवा, पानी और सूर्य तीनों चीजें न कभी समाप्त होंगी और न ही विलुप्त, चाहे कितने भी प्रयास कर लिए जाएं। आज की आवश्यकता इस बात की है कि हम इनके दोहन और सही उपयोग के बारे में सोचें और लोगों को जागरूक बनाएं। शीत ऋतु में आज भी भारत गणराज्य में नित्यानवे फीसदी इलाकों में नहाने के पानी को गरम करने के लिए बिजली, कोयला या लकड़ी का उपयोग किया जाता है। वैकल्पिक स्रोतों के बारे में लोगों का ध्यान नहीं है।

उर्जा का सबसे बड़ा स्रोत हमारा सूर्य है। इस दिशा में सोचना बहुत ही आवश्यक है। सौर उर्जा का सही दिशा में उपयोग कर हम तेल और कोयले के भण्डार को सालों साल सुरक्षित रख सकते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर भारत गणराज्य जो कि उष्णकटिबंधीय है यहां पांच हजार ट्रिलियन किलोवाट घंटा सूर्य के प्रकाश के एक प्रतिशत हिस्से को भी परिवर्तित कर सकें तो भारत की जनता को पूरे साल उर्जा की कमी महसूस ही नहीं होगी। तब अधोषित बिजली कटौती से लोगों को पूरी तरह निजात मिल सकती है। सौर उर्जा के मामले में अगर

वैश्विक परिदृश्य देखा जाए तो विश्व में धरती की सात वर्ग मीटर सतह को सूर्य की 29 किलोवाट उर्जा हर समय मिलती ही रहती है। सूर्य प्रतिमिनट 2 किलोवाट घंटा उर्जा प्रतिवर्गमीटर धरती को देता है।

इसके बाद बारी आती है हवा की। हवा को बहने से कोई रोक नहीं सकता है, हवा का उपयोग सही दिशा में करने की महती आवश्यकता है आज के समय में। ग्लोबल विण्ड एनर्जी कार्डसिल के अनुसार अगर हवा संबंधी नीतियों को सही तरीके से अपना लिया जाए तो इससे सुनिश्चित की जा सकती है।

कल कल बहते जल स्रोतों और बारिश के पानी को अगर सही दिशा में उपयोग कर लिया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। भारत में हाईड्रो आधारित प्लांट्स के लिए काफी उपजाउ माहौल है। भारत सरकार ने इस हेतु अलग से मंत्रालय भी बनाया है, पर नतीजा ढाक के तीन पात ही है। एशिया में पहली मर्तबा दाजिलिंग और शिमला में हाईड्रो पावर प्लांट की स्थापना की गई थी। विश्व में चीन ने इसका सबसे अधिक और अच्छा दोहन का उदहारण प्रस्तुत किया जा रहा है, जहां हर साल पानी से दो हजार 474 टेरवावाट उर्जा उत्पादन किया जा रहा है।

इन आंकड़ों पर अगर बारीकी से गौर फरमाया जाए तो निश्चित तौर पर स्थिति

आने वाले समय में बहुत भयावह हो सकती है। अभी समय है, इस संकट को जल्द ही अलविदा कहने के लिए यह माकूल समय है। विश्व भर के देश सर जोडकर इस समस्या के बारे में सोचें।

आज के समय में ई वाहनों पर सरकारों का जोर बेमानी नहीं माना जा सकता है। बेटरी चलित वाहनों की मांग आज बढ़ती दिख रही है। इसके अलावा सौर उर्जा को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। आने वाले समय में सौर उर्जा के लिए नागरिकों को जागरूक करने की महती जरूरत है। बिजली का उत्पादन किस तरह किया जाए इस पर भी शोध चल रहे हैं। सौर उर्जा से बिजली बनाए जाने की योजनाएं भी अस्तित्व में हैं, पर यह तकनीक अपेक्षाकृत मंहगी होने के कारण लोगों का रुझान इस ओर कम ही दिख रहा है। वैसे, विश्व में सोचा जाए अथवा नहीं पर भारत गणराज्य को तो इस मामले में आज से ही आत्मनिर्भर होने के प्रयास आरंभ करना ही होगा, वरना आने वाली पीढ़ियां जो संकट भोगेंगी और इतिहास सुनहरा इतिहास भी उनके सामने होगा, किन्तु उनके हाथों में अंधकारमय भविष्य ही होगा, उन परिस्थित्यों में वे हमें याद तो करेंगी पर बहुत अच्छे तरीके और सम्मान के साथ तो कतई नहीं। हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं कि हमें सार्थी समझा जाएगा, हमने अपने जीवनकाल में तो सुख भोग लिए किन्तु आने वाली पीढ़ियों के लिए दुश्कारियां ही पैदा करते गए...

नवप्रदेश के घर डाकिया

रेप की बढ़ती वारदातों के लिए

रेप कैसे रूकेंगे यह सरकारों से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं जानता है। लेकिन सरकारें किसी भी पार्टी की हों, रेप पर सख्त कानून बनाने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि ऐसी एक भी राजनीतिक पार्टी नहीं है जिसका कोई न कोई नेता या कार्यकर्ता रेप करता हुआ रों हाथों न पकड़ा गया हो। अब जरा सोचिये कि सरकार अगर रेप के लिए सख्त कानून बना देगी तो क्या उसके अपने बलात्कारी नेता और कार्यकर्ता भी नहीं मारे जाएंगे? इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता हर रेप की घटना के बाद संसद में गरमगरम बहस तो करते हैं लेकिन अंदर से कोई भी यह नहीं चाहता है कि रेप के लिए कोई सख्त कानून बने। सरकार की इस कमजोरी को हमारे देश के बलात्कारियों में अच्छी तरह से भांप लिया है और वह सरकार की इस लाचारी के चलते धड़झले से बलात्कार किये जा रहे हैं। सिर्फ राजनेता और सरकारों ही नहीं, इस रेपिस्ट फ्रेंडली सिस्टम में बाकी के लोग जैसे वकील और कानून के तथ्याकथित जानकार भी बलात्कारियों को बचाने के लिए जिस तरह से दिन-रात एक कर देते हैं।

संध्या दीक्षित, बर्दवान कंपाउंड, लालपुर, रांची

चिंतन-मनन

अवध के ‘शेखचिल्ली’ शायरों का क्या कहना

कृष्ण प्रताप सिंह

नवाबों के दौर में अवध की राजधानी लखनऊ में उर्दू अदब की अनेक नामी शख्सियतों की परवरिश हुई तो ‘शेखचिल्ली’ भी कुछ कम नहीं पले-बढ़े। उसके दो शायरों मिर्जा मोहम्मद हसन कतौल और मिर्जा यास यागना चंगेजी अजीमाबादी को तो उनकी शायरी से ज्यादा शेखचिल्लीपने के लिए ही जाना जाता है। इनमें मिर्जा यास पर लखनऊ का रंग चढ़ा तो वे ‘अजीमाबादी’ से ‘लखनवी’ हो गए। उन्होंने ‘यास यागना चंगेजी’ के घालमेल से अपने कई उपनाम भी बना डाले थे।

अठारहवीं शताब्दी के आखिरी और उन्नीसवीं के शुरुआती दशकों में थोड़े ही आगे-पीछे सक्रिय हुए इन दोनों शायरों में

शेखचिल्लीपने के लिहाज से, कहना मुश्किल है कि कौन छोटा है और कौन बड़ा। मिर्जा कतौल की बात करें तो वे ‘बू-ए-कबाब’ के लिए अपना धर्म बदलकर मुसलमान हो गए थे। कहते भी थे- ‘बू-ए-कबाब मरा मुसलमान कर्द’ (कबाब की खुशबू ने मुझे मुसलमान बना दिया।)

उनके लगाए-भगाए उन्हें मिर्जा गालिब के मानिंद और कई मायनों में उनसे भी बड़ा शायर मानते थे। एक समय उनकी कृति ‘हफ्त तमाशा’ भी उन्हें शोहरत के केंद्र में ले आई थी, लेकिन इस शोहरत की उम्र ज्यादा लंबी नहीं हो पाई और बाद के वर्षों में लखनऊ में फारसी के प्रचार-प्रसार में जी-जान लगा देने के बावजूद वे उसके दिल में जगह नहीं बना पाए।

मिर्जा यागना ‘यास’ के शेखचिल्लीपने के बारे में तो कहा जाता है कि उसका कोई सानी ही नहीं था। इसके अलावा वह मुंहफट और बेतहजीब भी थे। उन्होंने अजीमाबाद (पटना) से लखनऊ आकर एक लखनऊवा युवती से निकाह क्या किया, खुद को सारे लखनऊ का दामाद मानने लगे थे। खुदा के बंदों को चिढ़ाने वाला यह शेर अपनी जुबान पर रखे रहते थे- ‘बुतों को देखके सबने खुदा को पहचाना, खुदा के घर तो कोई बंदा-ए-खुदा न गया।’ मिर्जा कतौल की ही तरह उन्हें भी मिर्जा गालिब को अच्छा तो दूर, बुरा शायर तस्लीम करना भी गुनगना नहीं था। अदब की महफिलें सजतीं तो उनमें गालिब की रचनाओं की पैरोडियां सुनाकर उनका जमकर मजाक उड़ाते।

न्यूज गैलरी

झारखंड में 25000 स्कूल बंद कर दिए गए : रजक

काडसमा। भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कोडरमा विधानसभा महागठबंधन के उम्मीदवार अमिताभ कुमार उर्फ बबलू चौधरी को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समर्थन करती है। इससे बर झारखंड में विपक्ष की सरकार बनेगी क्योंकि भाजपा की सरकार में अपराध का ग्राफ बढ़ा है भाजपा नारा देती है बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ दूसरी तरफ आंगनवाड़ी सेविका सहायिका, पारा शिक्षक अपनी मांगों को लेकर विधानसभा में कर रहे आंदोलन कार्यो पर भी लाठियों बरसाई गई इतना ही नहीं झारखंड में 25000 स्कूल बंद कर दिए गए। इन तमाम सवालतो को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी महागठबंधन की समर्थन करती है और लोगों से अपील करती है कि अधिक से अधिक बबलू चौधरी के पक्ष में मतदान कर विधानसभा में भेजेजने का क्पा करें ताकि विधानसभा में गरीबों की आवाज बनेगी।

घर जाकर किया मतदान पर्ची का वितरण



हजारीबाग। हजारीबाग नगरपालिका क्षेत्र के दीपगुहा इलाके में विधानसभा निर्वाचन में मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदाता पची वितरण अभियान के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त डा. धुवनेश प्रताप सिंह ने पहुँचकर मतदाताओं को मतदाता पची का वितरण किया। इस दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी मेधा भारद्वाज भी प्रमुख रूप से मौजूद थी। उपायुक्त ने मतदाताओं से अपील की और कहा कि 12 दिसंबर आर्थात् मतदान के दिन यह मतदाता पची को लेकर बूथ में जरूर आएं। लोकतंत्र के मजबूती व अपने पसंद के उम्मीदवार को चयन के लिए पूरा परिवार जरूर मतदान करें। उन्होंने मतदाताओं को बताया कि इस बार मतदाता पची में क्यूआर कोड का प्राथमिक हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में की गयी है आपके इस मतदाता पची के क्यूआर कोड से बीएलओ आपका सत्यापन ऐप के माध्यम से कर पाएंगे एवं आपके मतदान कर्मचारी जानकारों देंग। इस मौके पर उपस्थित बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता पची वितरण करने एवं डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ऐप डाउनलोड करने का निर्देश दिया। विदित हो कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर तीसरे चरण के मतदान के लिए मतदाताओं में घर-घर तक मतदाता पची पहुँचाने के लिए 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक विशेष मतदाता पची वितरण अभियान पूरे जिले भर में चलाया जा रहा है।

लोजपा के चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन, कई खासोंआम रहे मौजूद



गिरिडीह। आगामी 16 दिसम्बर को गिरिडीह सीट पर होने वाले चुनाव को लेकर प्रत्याशी मैदान में खूब कसरत कर रहे हैं। जनसम्पर्क, सभा आदि कर प्रत्याशी जनता के बीच पहुँचकर अपने वोट बैंक को बढ़ाने में जुटे हुए हैं। लोक जन शक्ति पार्टी प्रत्याशी उपेन्द्र शर्मा भी रोजाना जनता के बीच पहुँच रहे हैं। विधामसभा क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में लगातार वो पहुँच कर आम विधायकों से संवाद-कालम कर रहे हैं। गुरुवार को श्री शर्मा पीरवाड़ प्रखंड में थे। इस दौरान इनके द्वारा यहाँ एक चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय का उद्घाटन उपेन्द्र शर्मा व अन्य गणमान्यों के हाथों संयुक्त रूप से किया गया। मौके पर श्री शर्मा ने लोगों से अपने पक्ष में मतदान की अपील की। साथ ही अपने विचारों को मौजूद लोगों के समक्ष रखा। इस मौके पर पार्टी के कई नेता व काफी संख्या में कार्यकर्ता और आम मतदाता मौजूद थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न थाना का किया निरीक्षण

गिरिडीह: विधानसभा निर्वाचन 2019 के सफल संचालन हेतु 28 धनवार विधानसभा क्षेत्र के लोकाई नयनपुर, सेवाताड़ पिकेट की भ्रमण किया। लोकाई, नयनपुर, सेवाताड़ पिकेट में उपस्थित सभी मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावा थानसिंहडिह स्थित हेलीपैड का भी भ्रमण किया। एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उपयुक्त ने बीडीओ को निर्देश दिया कि सभी पिकेट में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के क्रम में पुलिस प्रेक्षक 28 धनवार विधानसभा क्षेत्र, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह, प्रखंड विकास पदाधिकारी, तिसरी एवं अन्य थाना पदाधिकारी एवं विवरण कुमार वर्मा उपस्थित थे।

जमुआ विस की महागठबंधन प्रत्याशी डॉ मंजू के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

गिरिडीह: जमुआ विधानसभा क्षेत्र में महागठबंधन की प्रत्याशी डॉ मंजू कुमारी के चुनावी कार्यलय का उद्घाटन गुरुवार को पारंपरिक रूप से किया गया। मौके पर प्रत्याशी एलम पूर्व सांसद तिलकधारी सिंह ने संयुक्त रूप से प्रधान कार्यलय का उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यलय के भाजपा सरकार से जनता त्रस्त हो चुकी है। इसलिए इस बार जमुआ विधानसभा की जनता भाजपा के किले को धाराशाही करने का फैसला बना लिया है। कहा गया कि इस बार महागठबंधन के प्रत्याशी की जीत होगी और हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूत बनाया जाएगा। यहां इस मौके पर पूर्व विधायक सुकर रविदास, कांग्रेस खिला अध्यक्ष नरेश झा, अजय यादव, सतीश केडिया समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

माझू। झारखंड विधानसभा चुनाव के माने जाने वाले हॉट सीट माझू को लेकर राजनीतिक सरगमी चरम पाई। माझू विधानसभा चुनाव में कई राजनीतिक दल के प्रत्याशी मैदान में हैं। माझू विधानसभा सीट को लेकर त्रिकोणीय मुकाबला दलों का रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सदन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा से बागी हुए वर्तमान विधायक सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल के भाजपा में शामिल होने पर झामुमो से अलग होकर विधायक के समर्थन में उतरे विधायक जयप्रकाश भाई पटेल समर्थक के भाजपा में शामिल होने

के बाद भाजपा की स्थिति मांडूवा विधानसभा में काफी मजबूत हुई। हैदराबाद सीधे तौर पर मांडूवा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी का फायदा जयप्रकाश भाई पटेल को मिलने से हुआ। इनकार नहीं किया जा सकता। वहीँ दूसरे जयप्रकाश भाई पटेल के दिग्गज समर्थक जो मांडूवा विधानसभा क्षेत्र में अपनी पकड़ रखते हैं उनके द्वारा भाजपा समर्थित मोदीविरोधी सरकार व राज्य में ब्राजा समर्थित गुरुवार रिव्युर सरकार के द्वारा किए गए विकास कार्यों का हवाला देकर संपर्क कर जन समर्थन मांगा जा रहा है। साथ ही मांडूवा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के समर्थन एवं चुनावों के लिए

प्रचार के लिए केंद्र के कई केंद्रीय नेता व स्टाफ प्रचारक उतर आए।
 हैडिस संबंध में भाजपा नेता व
 विधायक प्रतिनिधि नीरज उर्फ पप्पू
 झा ने कहा कि मांडू विधानसभा क्षेत्र
 में विश्वास का दूसरा नाम ही
 जयप्रकाश भारी पटेल
 है। जयप्रकाश भारी पटेल द्वारा
 किया गया विकास कार्य मांडू
 विधानसभा क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति
 तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।
 हैडिस बार मांडू विधानसभा क्षेत्र
 के चुनाव में जय होगी जयप्रकाश
 की। दूसरी तरफ झारखंड मुक्ति
 मोर्चा द्वारा झामुमो से बागी हुए
 विधायक सह पूर्व मंत्री व भाजपा
 नेता जयप्रकाश भारी पटेल के संगे

भाई राम प्रकाश भाई पटेल को चुनाव मैदान में उतारा गया है। यदि सूत्रों की माने तो झामुमो की सीटिंग सभा सौ मांडू विधानसभा चुनाव का संदर्भ में टिकट के बंटवारे को लेकर कुछ झामुमो नेता व कार्यकर्ता नाराज दिख रहे हैं। इसका सीधा असर झारखंड के सौ मांडू विधानसभा चुनाव में झामुमो पर पड़ेगा। आम सभा के दौरान झामुमो द्वारा कुछ खास भीड़ नहीं जुटा पाए एवं जनता से ज्यादा कार्यकर्ता की भीड़ के दौरान कयास लगाया जा रहा है कि मांडू विधानसभा क्षेत्र के झामुमो के गढ़ कहे जाने वाले मांडू में भाजपा लगे सक्ती है? संघ

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जन चौपाल व रैली

अध्यापिका जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नेन्सी सहाय के आदेशानुसार विधानसभा चुनाव, 2019 के मद्देनजर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वयं सहायता समूह द्वारा विभिन्न प्रखण्डों में जागरूकता रैली, महिला चौपाल आदि कार्यक्रम का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के साथ वोट के महत्व की जानकारी भी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान सखी मंडल के महिला समूह के सदस्यों द्वारा मतदाताओं को रैली के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया गया। इसके अलावे सखी मंडल की महिला समूह के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रखण्डों में अंतरंग मतदाताओं को मत के महत्व की जानकारी दी गयी। साथ ही महिला मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। इसके अलावे महिला मतदाताओं को मतदान का महत्व समझाया गया, ताकि महिलाएं घर से निकलकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर सकें। इसके अलावे जागरूकता रैली के माध्यम से मतदाताओं को ईवीएम व वीवीपैट मशीनों से जुड़ी जानकारी मतदाताओं को दी गयी। रैली के मतदाता जागरूकता स्लोगन और नारों का प्रयोग कर आगामी 16 दिसम्बर को अपने घरों से निकलकर मतदान करने की अपील की गयी। इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान मतदाता महिला चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने शान्तिप्रतिष्ठ मतदान की शपथ के साथ मतदान को जागरूक करने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान खूद के साथ औरों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने को लेकर चर्चा की गयी।

लोग प्याज सूँघ के काम चला रहे हैं : तेजस्वी

कोडरमा (मरकच्चो)। जिला के मरकच्चो हाँस्पिटल मैदान में महागठबंधन राजद की ओर से विशाल जनसभा का आयोजन दिन गुरुवार को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि बिहार के प्रतिष्ठित राजद नेता तेजस्वी यादव राजद प्रत्याशी अमिताभ चौधरी के साथ राजद के कई दिग्गज विधायक शामिल हुए। कोडरमा विधानसभा प्रभाषी शिवनाथ यादव राजद नेता महेश राय रामधन यादव जिला अध्यक्ष सुरेश साहू भी शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता रामधन यादव युवा मंच संवर्धन सरकुदीन अंसारी ने किया राजद नेता महेश राय ने कहा कि भाजपा बोलीती है कि भाजपा बोलीती है कि डिबारा माईसं अग्रक सुदुर्द्ध करेगे लेकिन कुछ लोग बता रहे थे। उस समय बोले थे वह गांजा पीकर बोले थे कोडरमा में परिवर्तन के लिए एक नंबर बिलालटेन छाप पर वोट दें और



अपना अधिकार वापस ले। राजदरबार में प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज झारखंड राज्य के कहीं कोडरमा जिला की अर्थव्यवस्था इतनी चरमरा गई है कि लोग प्याज सूख के काम चला रहे हैं यह लोग काम करने वाले लोग नहीं है लालू जी आपके नेता को तंग किया साथी हमें तंग किया हमारे साथी पर मुहं दम किया उन्होंने बोझ फेंक दिया लालू यादव डर जायगा लेकिन डरेगा

नहीं लालू यादव शेर हैं हम लोगों को यह उम्मीद थी। की अल्पपूर्ण देवी मजबूत हैं संघर्ष करेगी लेकिन पड़ गई इन लोगों ने सामाजिक न्याय को खत्म करने का काम किया है। आरक्षण धीरे-धीरे खत्म खत्म कर देगा यह लोग लालू जी भ्रष्टाचारी हो गया लालू जी 90 हजार करोड़ का मुनाफा दिया रेलवे को ईमान नदार लालू बैठ गए तो रेलवे फेंका गया बीजेपी का दाल नहीं गले का

**काशीनाथ सिंह को विजय बनाइए दोनों
मिलकर करेंगे विकास : चौधरी**



दिए। आजसू को पांच साल दीजिए मैं और काशीनाथ सिंह दोनों मिल कर विकास करेंगे। सभा की अध्यक्षता चंद्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष मनोज दास के किया सभा को केंद्रीय सदस्य बुचु सिंह, बिगं महतो, बोकोरा जिला संयुक्त सचिव महेंद्र चौधरी, फुसरो नगर अध्यक्ष विनोद बाउरी, बेरमो प्रखंड

अध्यक्ष मंजूर आलम, चंद्रपूरा
प्रखंड अध्यक्ष मनोज दास,
धनेश्वर महतो, सुरेश महतो,
जिला उपाध्यक्ष अरविंद पांडेय,
मो. फकरुद्दीन, मो. जुबैर ने
संबोधित किया।

काशीनाथ सिंह ने कहा कि
झारखंड में रहने वाले सभी
झारखंडी हैं। यहां विभिन्न धर्म के
लोग निवास करते हैं। जाति धर्म

झामुमो की सरकार बनते ही सीएम व मंत्री जेल जाने के लिए तैयार रहे : हेमंत सोरेन

मुलामुला। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज सिसई विधानसभा क्षेत्र के भरनो हार्डवेयर के मैदान में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस सभा में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और विधानसभा अध्यक्ष जे.एन. उरांव पर जमकर प्रहार किया और आरोप लगाया कि अगर दिशेस उरांव नहीं चाहते तो राज्य में सीएनटी और एफपीटी एकट में बदलाव नहीं होता। इस राज्य में भूमि अधिग्रहण कानून नहीं बनता। जल संचयन जमीन को लूटने के लिए इन्होंने सरकार को फी छोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के डर से इन्होंने जो घोटाले किया है उसे छुपाने के लिए नया विधानसभा भवन में आग लगावा दी है जो जो जॉन्ग का विषय है। लेकिन हमारे पास उसके सबूत है झामुमी की सरकार बदलते ही मंत्री और मुख्यमंत्री जेल जाने के लिए तैयार रहे। केंद्र सरकार कहती है कि पांच लाख करोड़ रुपया राज्य सरकार को दे देया। वह पैसे कहां कहां गए। पारा शिक्षकों को गोली मारी आंगनबाड़ी सविकाओं को लाठीचार्ज किया लेकिन उन्हें वेतन तूने क्यों नहीं दिया इन्होंने कहा कि यदि हमारी सरकार बनगयी तो किसानों को मुफ्त में बेजली देंगे पहले ही पांच लाख बरेजगारों को रोजगार देंगे। दूसरे पांच लाख जो लोग बरेजगार हैं ग्रेजुएट हैं उन्हें 5000 प्रति माह और जो पोस्ट ग्रेजुएट हैं उसे 7000 रूपप प्रतिमाह बरेजगारी भत्ता भी दिया जाएगा। श्री सोरेन ने कहा कि केंद्र के मंत्री और केंद्र के गृह मंत्री कहते हैं चुन चुन कर यहां के अल्पसंख्यकों को बाहर करेगे। लेकिन यह नहीं कहेंगे यहां के बलात्कारियों को एक एक कर चुन चुन कर फांसी पाला जाएगा।

इन्हीं में राज्य के खजाने
में : बाबूलाल मरांडी



घटना चरम पर है। जिसे रोकने में
भाजपा की सरकार नाकाम है।
जिस कारण

रघुवर दास के सरकार में
राज्य के जनता त्राहिमाम -

त्रिहिमाम है। इसका जवाब इस-
 चुनाव में दियेगा। कहा कि
 जेजीएम सुंदर, शक्ति, स्वास्थ्य
 झारखंड बनाता चाहती है। श्री
 मरांडी ने झाँसिमो प्रत्याशी रामकिंकर
 पांडेय के पक्ष में मतदान करने की
 अपील करते कहा कि अगर
 जुमलेबाजी भाजपा सरकार को
 उखाड़ फेंकना है तो प्रत्याशी को
 वोट देकर विजय नानावे। मैंके पर
 बेसिमो झाँसिमो प्रत्याशी रामकिंकर
 पांडेय, डॉ सुरेन्द्र राज, सिद्धेश्वर
 मरांडी, मंतोष सोरेन, गोविन्द टुडू,
 यजनारायण मरांडी आदि ने
 संबोधित किया।

खड़ी गाड़ी में लगी लगी भीषण आग

बोकारो। बोकारो के चास में एक खड़ी गाड़ी में आग लग गई। यह आग चास मुख्य सड़क पर आग एक प्रचार गाड़ी में लगी और पल भर में ही जलकर खाक हो गई। आग इतनी भयावह थी कि धू-धू कर जलने लगी और पल भर में ही गाड़ी को खाक कर दिया। यह प्रचार गाड़ी एक प्रसिद्ध वस्त्र निर्माता कंपनी का था। घटना उस वक्त हुई जब गाड़ी को ड्राइवर और खलासी उसे एक शोरूम के सामने खड़ी कर कर अंदर गया था। अचानक गाड़ी में आग लग गई और धू धू कर जलने लगी। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आपस के लोग भी उससे भयभीत हो गए। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हाताहत नहीं हुआ। घटना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की सहायता से आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक ज्वारी जलकर खाक हो चुका था। घटना चास थाना क्षेत्र की है।

विपक्षी पार्टियों ने जनता को गुमराह करने का काम किया : रविंद्र

बेरोमो। भाजपा के बेरोमो विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी योगेश्वर महतो बाटुल के नेफुसरो नगर परिषद के बेरोमो सिम,रामनगर,अनुपम,गुवाहर,जवाहरनगर,सुभाषनगर,अमलो बस्ती,करगली बाजार,ढोरी स्टेशन,काटर,पुसरो बाजार,श्री नगरी मे जनसंपर्क कर लोगे से अपने पक्ष मे लाने के लिये।वही पुराना सुभाषनगर मे गिरिछीह के पूर्व सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार मे हर वर्ग को सम्मान मिलेगा।चाहे वह विकास कार्य हो या जनता से जुड़े हुए काम की प्रक्रिया का कार्य भाजपा सरकार ने हर तबके की सुध लेने का काम किया है।कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ,मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना ,आयुष्मान भारत, सुकन्या योजना समेत अन्गनतय योजनाएं हैं जिसका अतिम पायदान तक बैठे लोगों तक पहुंचना ।विपक्षी पार्टियों ने सिएम जेनरता को गुमराह करने का काम किया है झारखंड में पुनः बीजेपी को सत्तारोपण करने के लिए आग्रह किया। योगेश्वर महतो बाटुल को भारी मतों से जीताने का लोपों से आज्ञा दिया. वहीं योगेश्वर महतो बाटुल ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं को सशक्त बनाने का काम किया है। 5 वर्षों लोगों के बीच में रहकर कार्य किया हुं। एक बार पुनः मौका मिले तो बेरोमो क्षेत्र की तकदीर व तस्वीर बदल देगे। मौके पर सुरेश दुबे, भाजपा प्रमोद सिंह, जगन्नाथ नारायण, गजेंद्र प्रसाद सिंह, अर्चना सिंह, गुवाहरी देवी, बलराम सिंह, शंकर गोयल, जितेंद्र भारती मीडिया प्रभारी मनोज कुमार सुरजीतो चक्रवर्ती इत्यादि लोग उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी अमर कुमार बाउरी ने गांवो में किया जनसंपर्क

बाकरो। चंदनकियारी से भाजपा प्रत्याशी अमर कुमार बाजरी ने कोलबेंदी, बारपोखर ऊपर टोला, बाधाडीह, अदमडीह, बोदोरा, अलकुशा, धनडबर, कोचाबाद, मधुनिया, चिटाहिटांड गांव में जनसंपर्क किया।

संसद दौरेन उन्होंने लोगों से बातों की और उन्हें अपने पांच वर्ष के कार्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंदनकियारी में पेयजल के लिए कार्य प्रारंभ हो चुका है। कुछ महीने बाद चंदनकियारी के एक बड़े क्षेत्र में लोगों को उनके घरों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। पीएम आवास योजना की जानकारी सेट गए उन्होंने बताया कि चंदनकियारी में करीब 13000 परिवारों को आवास मिला है और यह प्रक्रिया जारी है। जल्द ही बाकी के बचे हुए परिवारों को भी आवास उपलब्ध होगा।

के नाम पर नहीं बेरामों में परिवर्तन करें। श्री सुदेश कुमार महतो को मुख्यमंत्री बनने के लिए वोट दें बेरामो ही नहीं पूरे झारखंड में आजसू पार्टी की लहर है आजसू पार्टी की सरकार बननी तय है। संविधान में सभी को एक वोट डालने का अधिकार है। विभिन्न पार्टियों की नजर सुदेश महतो पर है कि वे क्या कर रहा है। सवा तीन करोड़ तथा झारखंडवासियों से अपील है सुदेश कुमार महतो को मुख्यमंत्री बनने का मौका दें। राज्य में सुशासन देने के लिए पार्टी हो सकती है। एक प्रत्याशी का 10 साल एक प्रत्याशी का 25 साल विकास ठप है। आजसू को लाएं बेरामो विधानसभा क्षेत्र में खुशियाली लाएं।

जानकारी

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते हैं। विटामिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बृथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन घ की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।

एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फ्रिजकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।

2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।



विटामिन ‘के’ क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन ‘के’ की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन ‘के’ ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। गर्भवती महिलाओं में विटामिन ‘के’ भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन ‘के’ आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियाँ, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन ‘के’। विटामिन ‘के’ का मुख्य स्रोत हरी सब्जियाँ होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूँ और फल।

प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खतम हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने

को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहाँ तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मैनु के छोटे अक्षरों को नहीं पड़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों के विवरण पर उन लोगों को मिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।

प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतरीन तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली

पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

वश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंइक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्निजल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंटरऑक्युलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएँ इसके लिए पाद्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।



महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है

सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचवीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरूकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड चेलफेंस की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एड्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, रबी रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर खाइंट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वैजाइना से बंदबंदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो विता का शिष्य है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन बेल्ट तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बर्तते ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेप्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए फेवसीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सिन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, तो आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्प्लीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

रेड रेंड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टायलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेंज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

मैट आपको ड्रैमैटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउडर वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फर्ला से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।

लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होंठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे। आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेज़न, फ्लिपकार्ट, मित्रा से भी खरीद सकते हैं। यहाँ कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

न्यूड न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड



देता है। पिक में भी कई तरह के शेड्स आते हैं। लिपस्टिक चुन सकती हैं।



विधि

घने के पतों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सुखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में घने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 थप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन चूटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेथार की मदद से गैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गम हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भुन लें। फिर इसमें हींग, तांत मिर्च, मूंग की दाल और मेथ किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भुन लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सबींग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।



विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मेथ करें। कोफे की सरी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। बोझी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफे को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

शेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भुनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भुनें। नमक, तांत मिर्च, गर्म मसाला डालें। शेवी को जितना गाढ़ करना चाहती है, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। शेवी में कोफे डालकर 2 मिनट डककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

सेहत

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (बैसिका निगा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (बैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसो बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (बैसिका जकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसो बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसो का तेल आम सर्दी, जोड़ी और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग घिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीट के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में हे लाभकारी: सरसों के बीज म्लोकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे चीमिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नेल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टोक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच को समस्या से पीड़ित हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसाम तन त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखून, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एटीओक्सिडेंट और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ी, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इन्फ्लेमेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

चना साग

सामग्री

- घने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना फिल्टर वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलिया ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कटकुसा किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चूटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत तांत मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

मटर कोफते

सामग्री

- 1 कप मटर के घने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ तांत मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

भारत-वेस्टइंडीज श्रृंखला में फंट फुट नो बॉल का फैसला थर्ड अंपायर करेगा, ऑन फील्ड नहीं

दुबई। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज में फंट फुट नो बॉल का फैसला मैदानी की बजाए थर्ड अंपायर करेगा। गुरुवार को आईसीसी ने इसकी घोषणा की। दोनों देशों के बीच 6 दिसंबर से तीन मैचों की टी-20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच शुक्रवार को हैदराबाद में खेला जाएगा।

फिलहाल इस नियम को ट्रायल के तौर पर लागू किया जा रहा है। अगर यह सफल रहता है तो फिर मैदानी अंपायर से पैर की नो बॉल देने का अधिकार छीन जाएगा। इस फैसले पर आईसीसी ने कहा, ‘‘ट्रायल के दौरान थर्ड अंपायर हर

पंत को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता, उसके समर्थन के लिए खड़े हैं : कोहली



हैदराबाद। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को आलोचनाओं का शिकार ऋषभ पंत का समर्थन करते हुए कहा कि वह इस युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को अलग-थलग महसूस नहीं करने देंगे। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहने और कमजोर विकेटकीपिंग के कारण पंत को पिछले कुछ समय में आलोचना का सामना करना पड़ा है। हाल में डीआरएस को लेकर खराब फैसलों के कारण भी उन्हें निशाना बनाया गया और कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि उनके पास खुद को साबित करने के लिए अब अधिक समय नहीं है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां शुक्रवार से शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला से पहले हालांकि कोहली ने 22 साल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज का समर्थन किया है। कोहली ने कहा कि हमें निश्चित तौर पर ऋषभ की क्षमता पर भरोसा है। जैसा कि आपने कहा, यह खिलाड़ी की जिम्मेदारी भी है कि वह अच्छा प्रदर्शन करे लेकिन हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस पर दबाव नहीं बनाएं, उसका समर्थन करें। उसे समर्थन मिलना चाहिए और अगर आपको समर्थन नहीं मिलता तो यह अपमानजनक होता है।

सचिन से कोहली की तुलना पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक का बड़ा बयान

कराची। पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर अब्दुल रज्जाक का मानना है कि विराट कोहली के प्रदर्शन में निरंतरता है लेकिन वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के स्तर के नहीं हैं। रज्जाक का मानना है कि कुल मिलाकर दुनिया भर में क्रिकेट का स्तर घटा है। इस आलराउंडर ने ‘क्रिकेट पाकिस्तान’ से कहा कि हमें विश्व स्तर के वैसे खिलाड़ी अब नहीं दिख रहे जिनके खिलाफ हम 1992 से 2007 के बीच खेले। टी20 क्रिकेट ने खेल को बदल दिया है। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में कोई गहराई नहीं है। उन्होंने कहा कि विराट कोहली को देखो, जब वह रन बनाता है तो बनाता चला जाता है।

टी20 विश्व कप 2020 के लिए भारत की निगाहें राहुल और पंत पर टिकी

हैदराबाद। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान आस्ट्रेलिया में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिये खिलाड़ियों को आजमाना जारी रहेगा। इस श्रृंखला में लोकेश राहुल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी टीम में अपना स्थान पक्का करने का लक्ष्य बनाये होंगे। टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुटी भारतीय टीम में कई खिलाड़ियों का स्थान अभी पक्का नहीं है और वे वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। इन्हें से एक नाम राहुल का है। चोटिल सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की अनुपस्थिति में यह श्रृंखला उन्हें रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर अपना स्थान

सुनिश्चित कराने का बहुत अच्छा मौका प्रदान करेगी। उनका टी20 में अच्छा रिकार्ड है। राहुल ने 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.74 के औसत से 974 रन जुटाये हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 110 रन रहा है। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। राहुल के अलावा पंत भी अपने मजबूत प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। बल्ले से और विकेटकीपिंग में अपनी अनिरंतर फार्म के कारण वह पिछले कुछ समय से आलोचनाओं में घिरे रहे हैं। उन्हें महेंद्र सिंह धोनी के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था लेकिन इस साल के शुरू में आईसीसी वनडे विश्व कप के समाप्त होने के बाद उनकी फार्म में गिरावट आयी और अपना विकेट भेंट में देने के लिये कई बार उनकी काफी आलोचना की गयी।

बाय) वह पहले की तरह ले सकेगा।’’

करीबी मामलों में गेंदबाज को मिलेगा संदेह का लाभ

इस नियम के लागू होने के बाद भी करीबी मामलों में संदेह का लाभ गेंदबाज को मिलेगा। अगर पैर की नो बॉल के बारे में ढेर से पता चलता है तो ऑन फील्ड अंपायर अपना फैसला बदल भी सकेगा। आईसीसी के मुताबिक, ट्रायल के नतीजों से यह पता लगाया जाएगा कि इस बदलाव का नो बॉल से जुड़े फैसलों की सटीकता पर कितना असर पड़ा है। इसके अलावा यह भी जांचा जाएगा कि पैर की नो

वह (ऑन फील्ड अंपायर) इसे नो बॉल करार दे सके। इसका मतलब मैदानी अंपायर बिना थर्ड अंपायर की सलाह के पैर की नो बॉल नहीं दे सकेगा। हालांकि मैच से जुड़े दूसरे फैसले (वाइड, लेग

टी20 वर्ल्ड कप के लिए कोहली ने इन तीन गेंदबाजों के नाम पर लगाई मुहर

हैदराबाद। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को कहा कि अगले साल आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण में सिर्फ एक स्थान भरा जाना बाकी है। कोहली ने इस तरह संकेत दिया कि तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी का टीम में जगह बनाना लाभगम तय है। शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पूर्व कोहली ने संवाददाताओं से कहा कि बेशक मुकाबला एक स्थान के लिए है और मुझे लगता है कि तीन खिलाड़ियों ने अपनी जगह लगभग



पक्की कर ली है। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और यह देखना रोमांचक होगा कि निष्कर्ष क्या निकलता है। तेज गेंदबाजी विभाग में कई विकल्पों की मौजूदगी पर कोहली ने कहा कि एक कप्तान के रूप में यह

बॉल से जुड़े नए नियम को खेल में बाधा पहुंचाए बिना लागू किया जा सकता है या नहीं।

क्रिकेट कमेटी की सिफारिश के बाद दोबारा नियम लागू हुआ

आईसीसी ने इसी साल अगस्त में थर्ड अंपायर को फंट फुट नो बॉल तय करने का अधिकार दिया है। पहली बार इंग्लैंड-पाकिस्तान के बीच 2016 में हुई वनडे सीरीज में इसका ट्रायल हुआ था। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने क्रिकेट कमेटी की सिफारिश के बाद सीमित ओवरों के मैचों में दोबारा इसके इस्तेमाल का फैसला किया।

सात्विक-चिराग और पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद बीडब्ल्यूएफ अवार्ड के लिए नामित

नयी दिल्ली। सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड्डी को भारतीय पुरुष युगल जोड़ी को सत्र में शानदार प्रदर्शन करने के लिए विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने ‘मोस्ट इंप्रूव्ड प्लेयर आफ द ईयर’ पुरस्कार के लिए नामित किया है। सात्विक और चिराग की युवा जोड़ी ने 2019 में कई यादगार जीत दर्ज की। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड ओपन के रूप में पहला सुपर 500 खिताब जीतने के अलावा फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में भी जगह बनाई। इस वर्ग में अन्य नामित खिलाड़ी कनाडा की महिला एकल खिलाड़ी मिशेल ली, कोरिया की किम सो योंग और कोंग ही योंग की महिला युगल जोड़ी और प्रवीण जोर्डन तथा मेलाती देव्वा



ओकतावियांती की इंडोनेशिया की मिश्रित युगल जोड़ी शामिल है। ये प्रतिष्ठित पुरस्कार छह वर्गों में खिलाड़ियों और जोड़ियों को दिए जाते हैं जिसमें दो पैरा बैडमिंटन वर्ग भी शामिल हैं। इस साल 11 स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ‘सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी’ वर्ग में नामित किया गया।

ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी की सूची में नामांकन नहीं मिला क्योंकि वह इस साल विश्व चैंपियनशिप के अलावा कोई और टूर्नामेंट नहीं जीत सकीं। साल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ये पुरस्कार 11 से 15 दिसंबर तक होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के दूसरे सत्र के उद्घाटन समारोह और डिनर के दौरान दिए जाएंगे।

एंटी करप्शन कोड पर पाकिस्तानी टीम को लेकर देंगे शारजील खान

कराची। दार्गी सलामी बल्लेबाज शारजील खान अपने रि हैं बिलिट शान कार्यक्रम के तहत श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले पाकिस्तान टीम के सदस्यों को



पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की भ्रष्टाचार रोधी संहिता पर व्याख्यान देंगे। स्पाट फिक्सिंग के लिए पांच साल (इसमें से आधा निलंबित) का प्रतिबंध पूरा होने के बाद वापसी कर रहे शारजील को पीसीबी ने 11 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पहले रावलपिंडी में चल रहे शिविर में पाकिस्तान टीम के खिलाड़ियों से मिलने को कहा है। बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि शारजील सिर्फ खिलाड़ियों से मुलाकात ही नहीं करेंगे बल्कि उनके साथ अपना अनुभव भी साझा करेंगे और उन्हें व्याख्यान देंगे कि क्यों खिलाड़ियों को भ्रष्टाचार रोधी संहिता के नियमों को मानने की जरूरत है। सूत्र ने कहा कि यह शारजील के रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम का अंतिम हिस्सा है और इसके बाद वह पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट और पाकिस्तान सुपर लीग में वापसी कर सकते हैं।

बायें हाथ के सलामी बल्लेबाज शारजील को 2017 में पाकिस्तान सुपर लीग में स्पाट फिक्सिंग प्रकरण में भूमिका के लिए उसी साल 30 अगस्त को पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था। लेफ्टहैंड जनरल (सेवानिवृत्त) तौकीर जिया की अगुआई वाले पीसीबी के भ्रष्टाचार रोधी पंचाट ने शारजील को भ्रष्टाचार रोधी संहिता के पांच नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था और कहा था कि उनका आधा प्रतिबंध निलंबित रहेगा।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट योहान ब्लैक ने की सचिन तेंदुलकर से मुलाकात

मुंबई। जमैका के अनुभवी फरांट धावक योहान ब्लैक ने बुधवार को चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से उनके घर पर मुलाकात की। दो ओलंपिक स्वर्ण और दो रजत पदक विजेताब्लैक यहां रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरिज के प्रचार के सिलसिले में आये हैं। उन्होंने टिवटर पर तेंदुलकर के साथ तस्वीर डालकर लिखा कि महान सचिन तेंदुलकर से उनके घर पर यादगार मुलाकात। बता दें कि आने वाले टोक्यो ओलंपिक योहान ब्लैक का अंतिम ओलंपिक है। इसके बाद वह क्रिकेट पर ध्यान लगाएंगे।

आईसीसी ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बॉब विल्लिस के निधन पर जताया शोक

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बाब विल्लिस के निधन पर शोक जताते हुए उन्हें खेल के सबसे बड़े हीरो में से एक करार दिया। लंबे समय से बीमारी से जूझने के बाद विल्लिस का इंग्लैंड में

70 बरस की उम्र में निधन हो गया। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी ने बयान जारी करके वैश्विक संस्था की ओर से शोक जताया। साहनी ने कहा कि बाब के निधन की खबर सुनकर हम काफी दुखी हैं और आईसीसी

की ओर से मैं उनके परिवार प्रति गहरी संवेदना जाहिर करता हूं। उन्होंने कहा कि बाब अपने समय के सबसे बड़े क्रिकेट हीरो में से एक रहे, एक ऐसा तेज गेंदबाज जिसे दुनिया भर में सम्मान मिला। उन्होंने आक्रामकता के साथ इंग्लैंड के

गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और 1970 तथा 1980 के दशक में क्रिकेट देखने वाले लोगों के दिमाग में उनके गेंदबाजी के लिए दौड़ते हुए आने की छवि छपी हुई है। विलिस ने 90 मैचों के अपने टेस्ट करियर में 325 विकेट चटकाए।



यहां तक कि उनकी विकेटकीपिंग की भी काफी आलोचना हुई और इसी कारण बायें हाथ के इस खिलाड़ी को खेल के लंबे प्रारूप से बाहर कर दिया गया और ऋद्धिमान साहा ने अंतिम एकादश में दोबारा अपना स्थान हासिल कर लिया। चयनकर्ताओं ने प्रतिभाशाली संजू सैमसन को टीम में शामिल किया और धोनी के ब्रेक से वापसी की बातें होने

लगी। इससे अब पंत के लिये यह मौका है कि वह प्रदर्शन करें और अपना स्थान पक्का करें या फिर गंवा दें। सैमसन के लिये भी यह श्रृंखला अहम होगी। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टी20 टीम में शामिल किया गया था लेकिन केरल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज को श्रृंखला में एक भी मौका नहीं मिला और धवन के सैयद मुश्ताक

अली राष्ट्रीय टी20 चैम्पियनशिप में दिल्ली के लिये खेलते हुए चोटिल होने के बाद ही उन्हें टीम में चुना गया। यह तो निश्चित ही है कि पंत विकेटकीपिंग के लिये पहली पसंद होंगे लेकिन अगर वह फिर से विफल होते हैं तो यह देखना होगा कि टीम प्रबंधन सैमसन को मौका देता है या नहीं जिसके वह निश्चित रूप से हकदार हैं।

भारत के लिये अच्छी बात यह है कि विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला में ब्रेक लेने के बाद टीम की कमान संभालने के लिये वापसी करेंगे। गेंदबाजी की बात की जाये तो कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। कुलदीप

और चहल की जोड़ी लंबे समय बाद एक साथ होगी जो ‘कुलचा’ के नाम से भी मशहूर हैं। कुलदीप छोटे प्रारूप में अंतिम बार फरवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले थे। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण भी भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी की वापसी से पैना दिखता है। शमी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अंतिम बार 2017 में खेले थे जबकि भुवनेश्वर ने मांसेपिशियों की समस्या से उबरने के बाद वापसी की है। भुवनेश्वर का अंतिम टी20 इस साल अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी सरजमीं पर था। बांग्लादेश श्रृंखला की खोज रहे दीपक चाहर के भी शमी और भुवनेश्वर के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अगस्त में

अपनी सरजमीं पर भारत से 0-3 से हारने का बदला चुकता करना चाहेगी। वेस्टइंडीज को बहुत अच्छी टी20 टीम माना जाता है और यह उनके पक्ष में रहेगा कि उन्होंने लखनऊ में अफगानिस्तान के साथ पूरी श्रृंखला खेलेकर खुद को परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लिया है। कीरोन पोलार्ड कप्तानी की जिम्मेदारी बखूबी निभाना चाहेंगे जबकि निकोलस पूरन गेंद से छेड़छाड़ के कारण लगे चार मैचों के प्रतिबंध की वजह से पहला टी20 मैच नहीं खेल पायेंगे। इससे वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी लाइन अप की जिम्मेदारी शाई होप और शिमरोन हेटमेयर पर होगी। वहीं भारतीय रोस्टन चेज से भी सतर्क होंगे जो बल्ले और गेंद दोनों से उपयोगी योगदान कर सकते हैं। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वेस्टइंडीज की टीम भी विभिन्न

संयोजन आजमाना चाहेगी और इसी के तहत उन्होंने टीम में कुछ नये चेहरों को शामिल किया है। **टीमे :** **भारत :** विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, संजू सैमसन, ऋषभ पंत, मनीष पांडे, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी। **वेस्टइंडीज :** कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फेबियन एलेन, ब्रैंडन किंग, दिनेश रामदीन, शेल्डन कोर्त्नेल, एविन लुईस, शेरफाने रदरफोर्ड, शिमरोन हेटमेयर, खारी पियरे, लैंडिल सिमन्स, जेसन होल्डर, हेडन वॉल्श जूनियर, कीमो पॉल और केसरिक विलियम्स। मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे से शुरू होगा।

रवीना टंडन का नाम बॉलीवुड में अक्षय कुमार के साथ जुड़ा था। अक्षय कुमार और रवीना टंडन के लव अफेयर के किस्से खूब चर्चा में रहे। इस समय चर्चाओं से परे रवीना टंडन के दिल पर राज करने वाले अजय देवगन थे। रवीना टंडन और अजय देवगन जब अपनी फिल्म दिलवाले का शूटिंग कर रहे थे तो रवीना का दिल अजय के लिए धड़कने लगा था। अजय को भी रवीना पसंद थी दोनों की रील लाफफ के मिमिस्ट्री रोयल लाफफ में पनपने लगी थी। दोनों का प्यार पक्वान चढ़ गया था लेकिन इसी बीच एंटी हुई करिश्मा कपूर की और अब अजय के दिल में करिश्मा कपूर बसने लगी थी। करिश्मा कपूर के कारण अजय देवगन ने रवीना टंडन से ब्रेकअप कर लिया था। इस बात से आहत हुई रवीना ने सूसाइड करने की भी कोशिश की थी।

